मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 254
शुक्रवार, 04 अप्रैल 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

राजनाथ सिंह का सेना को साफ संदेश, दुश्मनों के प्रॉक्सी वॉर से निपटने के लिए रहें तैयार

नई दिल्ली, 03 अप्रैल। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने फिर से पुष्टि की कि भारत का प्रतिद्वंद्वी पश्चिमी सीमाओं पर छद्म युद्ध जारी रखे हुए है, साथ ही उन्होंने सीमा पार आतंकवाद का दृढ़ता से जवाब देने के लिए भारतीय सेना की सराहना की। सेना कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से निपटने में सेना और अन्य सुरक्षा बलों के बीच समन्वय की सराहना की। न्होंने कहा कि मैं जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खतरे से निपटने में सीएपीएफ/पुलिस बलों और सेना के बीच उत्कृष्ट तालमेल की सराहना करता हूं। केंद्र शासित प्रदेश में समन्वित अभियान क्षेत्र में स्थिरता बढ़ाने में योगदान दे रहे हैं और इसे जारी रखना चाहिए।

रक्षा मंत्री ने नई दिल्ली में आयोजित सम्मेलन में वरिष्ठ कमांडरों को संबोधित किया, जो 1 से 4 अप्रैल तक चलेगा। वर्ष में दो बार आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में सुरक्षा चुनौतियों, सीमा की स्थिति, आंतरिक सुरक्षा और संगठनात्मक परिवर्तनों का आकलन करने के लिए शीर्ष सैन्य नेतृत्व एकत्रित होता है। इसमे आधुनिकीकरण, रसद, प्रशासन और वैश्विक सुरक्षा विकास के प्रभाव पर भी चर्चा की गई। ₹सुधारों के वर्ष₹ पर एक ब्रीफिंग के बाद उनका संबोधन तीसरे दिन का मुख्य आकर्षण था। सिंह ने देश के सबसे भरोसेमंद संस्थानों में से एक के रूप में भारतीय सेना की भूमिका पर जोर दिया और सीमाओं की सुरक्षा, आतंकवाद से निपटने और नागरिक अधिकारियों की सहायता करने में इसके प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि सेना हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है- सुरक्षा और आपदा राहत से लेकर चिकित्सा सहायता और राष्ट्रीय स्थिरता बनाए रखने तक। राष्ट्र निर्माण और समग्र विकास में इसका योगदान अमूल्य है। उन्नत प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने में सेना के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए, उन्होंने भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए इसके नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने युद्ध की बदलती प्रकृति पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हाइब्रिड युद्ध सहित अपरंपरागत और विषम युद्ध, भविष्य के संघर्षों का अभिन्न अंग होगा।

अमेरिका द्वारा लगाए गए जवाबी शुल्क के प्रभाव का आकलन कर रहा है भारत: वित्त राज्य मंत्री

नई दिल्ली, 03 अप्रैल। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि अमेरिका की शुल्क बढ़ोतरी और देश पर इसके प्रभाव का आकलन किया जा रहा है। उन्होंने यहां पीएफआरडीए द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि (अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड) ट्रंप के लिए यह अमेरिका को पहले रखने जैसा है.. लेकिन (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी भारत को पहले रखते हैं...हम अमेरिका द्वारा लगाए गए जवाबी शुल्क के प्रभाव का आकलन कर रहे हैं। भारत पर इसके प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इसका आकलन जारी है। अमेरिका ने भारत पर 27 प्रतिशत का जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन का मानना है कि अमेरिकी वस्तुओं पर भारत उच्च आयात शुल्क वसूलता है, ऐसे में अब देश के व्यापार घाटे को कम करने और विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए यह कदम उठाना जरूरी था। इस कदम से अमेरिका को भारत के निर्यात पर असर पड़ने के आसार हैं।

हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि भारत अपने प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में बेहतर स्थिति में है, जिन्हें हमसे अधिक शुल्क का सामना करना पड़ेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने वैश्विक स्तर पर अमेरिकी उत्पादों पर लगाए गए उच्च शुल्कों का मुकाबला करने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए लगभग 60 देशों पर जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की है।

दिल्ली में फर्जी फॉमेर्सी रजिस्ट्रेशन रैकेट का हुआ भंडाफोड़, 47 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए बड़े पैमाने पर फर्जी फामेर्सी पंजीकरण रैकेट का भंडाफोड़ किया और दिल्ली फामेर्सी काउंसिल (डीपीसी) के एक पूर्व कर्मचारी सहित 47 लोगों को गिरफ्तार किया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, फर्जी दस्तावेजों के जरिए फर्जी फार्मासिस्ट पंजीकरण की व्यापक जांच के बाद गिरफ्तारियां की गईं। एसीबी के निष्कर्षों के अनुसार, रैकेट का मास्टरमाइंड डीपीसी का पूर्व रजिस्ट्रार कुलदीप सिंह था, जिसने कथित तौर पर ऑनलाइन फार्मासिस्ट पंजीकरण करने के लिए नियुक्त एक निजी फर्म के साथ साजिश रची थी। विशेष रूप से, कंपनी को बिना किसी औपचारिक निविदा प्रक्रिया के नियुक्त किया गया था, जो स्थापित प्रक्रियाओं का स्पष्ट रूप से उल्लंघन करता है, संयुक्त पुलिस आयुक्त (एसीबी) मधुर वर्मा ने खुलासा किया। उन्होंने कहा, घोटाला डीपीसी के पूर्व रजिस्ट्रार कुलदीप सिंह द्वारा एक निजी फर्म के सहयोग से किया गया था, जिसे फार्मासिस्टों के ऑनलाइन पंजीकरण करने के लिए नियुक्त किया गया था। हालांकि, कंपनी को बिना किसी निविदा प्रक्रिया के और निर्धारित प्रक्रियाओं का उल्लंघन करते हुए नियुक्त किया गया था।

वक्फ बिल को लेकर विपक्ष पर गिरिराज सिंह का तंज

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन विधेयक और विपक्ष के विरोध पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पलटवार किया है। गिरिराज सिंह का तंज कसते हुए कहा कि एक कहावत है '100 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली'। कांग्रेस पार्टी का इतिहास काला रहा है, आपातकाल से बड़ा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि 2013 में चुनाव से पहले उन्होंने लुटियंस दिल्ली में 123 संपत्तियां रातोंरात वक्फ को दे दीं। इससे पता चलता है कि तुष्टिकरण की हदें कौन पार करता है, कौन काला अध्याय लिखता है। मध्य प्रदेश के मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि अब वक्फ बोर्ड की संपत्ति चंद लोगों के कब्जे में नहीं रहेगी। अगर कोई विवाद होगा तो वह कोर्ट जाएगा। चाहे अखिलेश यादव हों या कोई और विपक्षी नेता, उन्होंने सिर्फ अल्पसंख्यकों को गुमराह किया है और मुसलमानों को बरगलाकर राजनीति करने की कोशिश की है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि हमें विश्वास है कि वक्फ संशोधन विधेयक राज्यसभा में भी अवश्य पारित होगा।

जिनके मन में राष्ट्र के प्रति निष्ठा नहीं, वे महाकुंभ जैसा आयोजन नहीं कर सकते: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, 03 अप्रैल। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि जिनके मन में राष्ट्र के प्रति निष्ठा नहीं है, वे महाकुंभ जैसा बड़ा आयोजन नहीं कर सकते। उन्होंने यह भी कहा कि महाकुंभ 2025 ने देश-प्रदेश को बहुत कुछ दिया और इतना बड़ा आयोजन राम भक्त ही कर सकते हैं।

यहां श्रृंगवेरपुर धाम में भगवान श्रीराम के प्रिय सखा निषादराज गुह्य के जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, भगवान राम और निषादराज के बीच मित्रता का यह अद्भुत संगम आज फिर देखने को मिल रहा है। वही मित्रता भाजपा और निषाद पार्टी की है।उन्होंने कहा, हमारा प्रयागराज अब सामान्य रूप से इलाहाबाद नहीं रहा। अब यह प्रयागराज हो गया है। प्रयागराज का मतलब महामिलन स्थल। जो लोग प्रयागराज की पहचान को छिपाते थे, वे नहीं चाहते थे कि इस पौराणिक नगर को नयी पहचान मिले क्योंकि उनके लिए उनका वोटबैंक महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा, महाकुंभ 2025 ने देश-प्रदेश को बहुत कुछ दिया और इतना बड़ा आयोजन राम भक्त ही कर सकते हैं। जिनके मन में राष्ट्र के प्रति निष्ठा नहीं है, वे महाकुंभ जैसा बड़ा आयोजन नहीं कर सकते।

अल्पसंख्यकों के लिए दुनिया में भारत से सुरक्षित कोई जगह नहीं: किरेन रीजीजू

नई दिल्ली, 03 अप्रैल। लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए रीजीजू ने सरकार के इस कदम को मुस्लिम विरोधी बताने के कई विपक्षी सदस्यों के दावों को खारिज करते हुए कहा कि इस विधेयक को मुसलमानों को बांटने वाला बताया जा रहा है, जबकि सरकार इसके जरिए शिया, सुन्नी समेत समुदाय के सभी वर्गों को एक साथ ला रही है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार तो देश में सबसे छोटे अल्पसंख्यक समुदाय पारसी को भी बचाने के लिए प्रयास कर रही है। रीजीजू ने कहा, विपक्ष सरकार की आलोचना कर सकता है, लेकिन यह कहना कि हिंदुस्तान में अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं है, सही नहीं है।उन्होंने कहा, मैं खुद अल्पसंख्यक हूं और कह सकता हूं कि भारत से ज्यादा अल्पसंख्यक कहीं सुरक्षित नहीं हैं। हर अल्पसंख्यक समुदाय शान से इस देश में जीवन जीता है। उन्होंने विपक्षी सदस्यों को आड़े हाथ लेते हुए कहा, सदन में इस तरह देश को बदनाम करना....आने वाली पीढ़ियां आपको माफ नहीं करेंगी। मंत्री ने कहा कि विधेयक के पारित होने के बाद देश के करोड़ों मुसलमान प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देंगे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, म्यांमा और श्रीलंका जैसे देशों में प्रताड़ित होने वाले अल्पसंख्यक शरण लेने के लिए भारत में ही आते हैं। रीजीजू ने कहा कि भारत धर्मनिरपेक्ष देश इसलिए है क्योंकि यहां बहुसंख्यक लोग पूरी तरह खुद को धर्मनिरपेक्ष मानते हैं।

अनुराग ठाकुर की टिप्पणियों ने मेरी प्रतिष्ठा को आघात पहुंचाया, आरोप साबित करें या इस्तीफा दें: मल्लिकार्जुन खडगे

नई दिल्ली, 03 अप्रैल। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को भाजपा सदस्य अनुराग ठाकुर द्वारा लोकसभा में उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों को निराधार करार देते हुए कहा कि इन टिप्पणियों से उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। खरगे ने भाजपा सांसद को यह चुनौती भी दी कि वह उन पर (खरगे पर) लगाए गए अपने आरोपों को साबित करें या फिर इस्तीफा दें। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस सदस्यों के हस्तक्षेप के कारण, भाजपा सांसद को निचले सदन में वक्फ विधेयक पर बहस के दौरान की गई अपनी अपमानजनक टिप्पणी वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। खरगे ने कहा, लेकिन नुकसान तो हो चुका है। कांग्रेस अध्यक्ष ने मांग की कि इस मुद्दे पर ठाकुर के साथ-साथ राज्यसभा में सदन के नेता जे पी नड्डा को भी माफी मांगनी चाहिए।

खरगे ने कहा, मेरा करीब 60 साल का राजनीतिक जीवन एक खुली किताब की तरह है। कल अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में मुझ पर पूरी तरह झूठे और निराधार आरोप लगाए। जब मेरे सहयोगियों ने उन्हें चुनौती दी, तो उन्हें अपनी अपमानजनक टिप्पणी वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। लेकिन नुकसान तो हो चुका है।

उन्होंने कहा कि अनुराग ठाकुर के टिप्पणी वापस लेने के बावजूद, मीडिया और विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर यह मुद्दा छाया रहा। खरगे ने कहा, ह्यह्यमैं आज अनुराग ठाकुर के बेबुनियाद आरोपों की निंदा करने के लिए मजबूर हूं। मैं सदन के नेता से माफी की उम्मीद करता हूं, कम से कम इतना तो सत्तारूढ़ पार्टी कर ही सकती है और उसे यह करना चाहिए। उन्होंने ठाकुर को अपने आरोप साबित करने की चुनौती देते हुए कहा कि अगर भाजपा सांसद अपने आरोपों को साबित नहीं कर सकते, तो उन्हें संसद में रहने का कोई अधिकार नहीं है। उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। अगर आरोप साबित हो जाते हैं, तो मैं इस्तीफा दे दूंगा। खरगे के इतना कहने के बाद विपक्षी सदस्य सदन से बहिर्गमन कर गए।

तमिलनाडु में हिंदी विरोध का सच

तमिलनाडु के बजट से रूपए के आधिकारिक हिंदी प्रतीक की विदाई और तमिलभाषा वाले प्रतीक के इस्तेमाल पर हंगामा स्वाभाविक है। दक्षिण में तमिलनाडु इकलौता राज्य है, जिसकी राजनीति तकरीबन सभी ज्वलंत मुद्दों पर बनी राष्ट्रीय सहमति से अलहदा कदम उठाती रही है। श्रीलंका के लिट्टे विद्रोहियों का मसला, हिंदी विरोध और लोकसभा सीटों के परिसीमन के मुद्दे, तमिल राजनीति की सोच राष्ट्रीय सहमति से अलग रही है। लिट्टे के खिलाफ जहां देशव्यापी गुस्सा रहा, वहीं डीएमके की राजनीति उसके प्रति राग से भरी रही। इस तरह उसने अपना एक अलग तमिल नैरेटिव रचा। रूपए के प्रतीक का तमिलकरण और हिंदी विरोध की ताजा सोच, अतीत के तमिल नैरेटिव का ही विस्तार है।

सबसे पहले आज के दौर की राजनीतिक मंशा को समझना जरूरी है। मौजूदा राजनीति का हर नया कदम और नई राजनीतिक नैरेटिव बनाने की कोशिश के परोक्ष और प्रत्यक्ष, दो उद्देश्य हैं। पहला मकसद जहां तुरंत जनभावनाओं को अपने पक्ष में मोड़कर सियासी फायदा उठाना होता है, वहीं इनके सहारे भविष्य के लिए अपनी मजबूत सियासी इमारत खड़ा करने की भी कोशिश भी रहती है। तमिलनाडु सरकार के उद्वेलित करने वाले हालिया कदमों का तात्कालिक कारण है अगले साल होने वाला विधानसभा चुनाव। इन मुद्दों के जरिए डीएमके अपने पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। चूंकि ये मुद्दे तकरीबन आठ दशकों से डीएमके की राजनीतिक फसल के लिए बेहतर खाद रहे हैं, इसलिए एक बार फिर स्टालिन को इनसे उम्मीद नजर आ रही है।

संविधान के मुताबिक, भारत भले ही राज्यों का संघ हो, लेकिन राज्यों को राष्ट्रीय मुद्दों से अलग राह, जिनमें अलगाववाद के खतरे हों, किसी भी कीमत आगे बढ़ने की छूट नहीं है। संविधानसभा की बहस के दौरान राज्यों के ऐसे कदमों की आशंका जताई गई थी। इसी वजह से मजबूत केंद्र की अवधारणा की मांग स्वीकार की गई। इसके बावजूद आए दिन कुछ न कुछ राज्य राष्ट्रीय सोच से अलग रूख और राह अख्तियार करने की कोशिश करते रहते हैं। हाल के दिनों में इस कोशिश में वह पश्चिम बंगाल भी जुड़ गया है, जहां से राष्ट्रवाद की विचारधारा को बल मिला था। तमिलनाडु तो खैर अरसे से ही कई मुद्दों पर अलग रूख अख्तियार करता रहा है। ऐसा करते वक्त तमिल राजनीति इस तथ्य की अनदेखी करती रही है कि संविधान और राष्ट्र की प्राचीन अवधारणा के लिहाज से तमिल धरती पूरी तरह भारतीय है।

हिंदी विरोध की सोच तमिलनाडु में 1935 में डीएमके के वैचारिक उभार के साथ ही शुरू हुई। तब भी यह विचार, राष्ट्रीय युगबोध से अलग था। तमिलनाडु में पहले क्रांतिकारी सोच के नाम पर ब्राह्मण विरोध की शुरूआत हुई, जिसका अगला कदम हिंदी विरोध रहा। अब यह सोच एक तरह से उत्तर भारत के तीखे विरोध तक पहुंच चुकी है। दिलचस्प यह है कि इसमें कई बार कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी भी मददगार होती रही है। 2023 के विधानसभा चुनावों में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में बीजेपी और तेलंगाना में कांग्रेस को मिली जीत को लेकर कांग्रेसी बौद्धिकों ने नैरेटिव गढ़ा था। जिसके हिसाब से गोबर पट्टी के राज्यों को पिछड़ा और दक्षिणी राज्यों को समझदार बताया गया। यानी जो बीजेपी को चुने, वह पिछड़ा और जो कांग्रेस को चुने, वह प्रगतिशील। इस नैरेटिव ने एक तरह से उत्तर और दक्षिण के विभाजन की रेखा को खींचने की कोशिश की। इसी का विस्तार लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर द्रविड़ राजनीति की ओर से उठाए जा रहे सवालों में भी दिख सकता है।

राष्ट्रीय सहमति और सोच से उलट सोच के लिए अतीत में डीएमके को कीमत भी चुकानी पड़ी है। 1991 में तत्कालीन चंद्रशेखर ने सरकार ने तब करूणानिधि सरकार को कुछ ऐसी ही वजह से बर्खास्त कर दिया था। कांग्रेस करीब दो दशक से डीएमके की सहयोगी है, लेकिन अतीत में एक बार वह भी डीएमके की ऐसी ही सोच के चलते केंद्र की गुजराल सरकार को गिरा चुकी है। अभी चाहे हिंदी का सवाल हो या फिर रूपए के प्रतीक को बदलने की बात, डीएमके के रूख पर कांग्रेस ने फिलहाल चुप्पी साध रखी है। ऐसा लगता है कि इन मुद्दों पर कांग्रेस की स्थिति सांप और छछूंदर जैसी हो गई है। अगर वह डीएमके का विरोध करती है तो उसे अपने स्थानीय समर्थकों के छिटकने का डर है और यदि समर्थन करती है तो उत्तर भारत में उसकी उम्मीदें बिखर सकती हैं। लेकिन बीजेपी ने आक्रामक रूख अपना रखा है। रूपए का हिंदी प्रतीक बदलने का सबसे तेज विरोध तमिल मूल की निर्मला सीतारमण और तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष अन्नामलाई कर रहे हैं। उनका साथ उनकी पूर्ववर्ती तमिलसाई सौंदयार्राजन दे रही हैं। बीजेपी की कोशिश है, स्टालिन के हिंदी विरोध की हवा तमिल सोच के जरिए निकालने की है। इसका आधार जोहो कंपनी प्रमुख श्रीधर वेंबु हिंदी समर्थन में बयान देकर मुहैया करा चुके हैं। अगले साल अप्रैल-मई में तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2021 के चुनाव में एक दशक के अन्नाद्रमुक राज के बाद डीएमके को सत्ता मिली थी। इसे बचाए रखने की जुगत में स्टालिन जुट गये हैं। उत्तर और हिंदी विरोधी माहौल जिंदा करना और स्थानीय भावनाओं को उभारना तमिलनाडु में सबसे आसान रहा है। त्रिभाषा फॉमूर्ले में स्टालिन को हिंदी विरोध की आसान राह सूझी और वे मैदान में कूद पड़े। लोकसभा सीटों के परिसीमन में जनसंख्या के लिहाज से सीटें कम होने का डर वह पहले से दिखा रहे हैं। रूपए का प्रतीक बदलना उनका अगला कदम है। 1937 में पेरियार के हिंदी विरोधी आंदोलन को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का समर्थन मिला। 1965 में जब संवैधानिक प्रावधानों के चलते हिंदी राजभाषा बनने वाली थी, तब सीए अन्नादुरै की अगुआई में हुए तीव्र हिंदी विरोधी आंदोलन को भी समूचे तमिलनाडु का साथ मिला। इसके असर में दो साल बाद हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सत्ता गंवानी पड़ी, तब से कांग्रेस राज्य में हाशिए पर ही है। हालांकि इस बार हिंदी विरोध, परिसीमन का डर या रूपए के प्रतीक बदलने को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का साथ मिलता नहीं दिख रहा। इसकी बड़ी वजह यह है कि तमिल समुदाय भी अब भाषा की राजनीति और उसके दायरे को समझने लगा है। संचार क्रांति के जरिए उसे भी पता है कि स्टालिन द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों की खामी-खासियत क्या है? तमिल समुदाय के एक हिस्से भी समझ आने लगा है कि उनकी सरकार का विरोध एक बिंदु पर राष्ट्रीय धारा के विपरीत हो सकता है। अब तमिलनाडु में भी लोग मिलने लगे हैं, जिन्हें हिंदी विरोध राजनीतिक शिगूफा नजर आता है। स्टालिन जिस तरह तेजी से एक के बाद एक मुद्दे उछाल रहे हैं, उससे उन्हें और उनके सलाहकारों को लगता है कि हिंदी विरोध हो या परिसीमन की मुखालफत को बड़ा और गहरा समर्थन नहीं मिल रहा है। इन मुद्दों को लगातार उछालने की एक वजह यह भी है, ताकि वह विधानसभा चुनावों तक जिंदा रहे।

पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी राज्य में अपना खाता नहीं खोल पाई, लेकिन उसका गठबंधन राज्य में 18.2 प्रतिशत वोट हासिल करने में कामयाब रहा। इसमें बीजेपी का वोट 11 प्रतिशत रहा। जबकि पहले उसे तीन से पांच प्रतिशत तक ही वोट मिलता रहा। जाहिर है कि बीजेपी राज्य में अपनी जड़ें जमा रही है। बीजेपी राज्य में स्थानीय की बजाय राष्ट्रीय मुद्दों के साथ पहुंच रही है। यह भी वजह है कि स्टालिन ठेठ और आक्रामक स्थानीय मुद्दों को उभारने की कोशिश कर रहे हैं। अतीत में हिंदी और उत्तर भारत विरोध स्थानीय लोगों को गोलबंद करने का आसान जरिया रहे। इन मुद्दों पर सियासी बैटिंग डीएमके के लिए परिचित पिच रही है। इस पिच पर एक बार फिर सियासी बैटिंग करना उसे आसान लग रहा है। बीजेपी ने भी पिच तो वही अपनाई है, लेकिन उसके मुद्दे अलहदा हैं। राष्ट्रीय मुद्दे बनाम स्थानीय सोच की इस जंग में फिलहाल देश का दक्षिण कोना घायल होता नजर आ रहा है। इस पर रोक लगाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सोच बननी जरूरी है। अन्यथा ऐसी राजनीति के दंश का दर्द अरसे तक झेलना पड़ सकता है।

ट्रंप टैरिफ का भारत पर क्या असर पड़ेगा, मोदी की अमेरिका यात्रा का क्या होगा फायदा ?

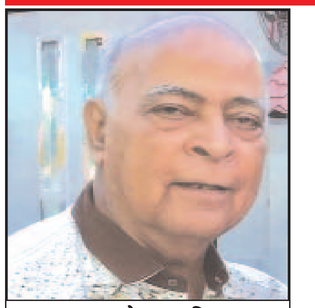

अशोक भाटिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को वह कर दिया है, जिसकी धमकी वह वॉइट हाउस में वापसी के बाद से दे रहे थे। उन्होंने बुधवार को दुनियाभर के देशों के खिलाफ व्यापक टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी, जिसमें भारत भी शामिल है। ट्रंप ने जवाबी टैरिफ लगाने का ऐलान करते हुए इसे अमेरिका का स्वतंत्रता दिवस बताया। वॉइट हाउस के रोज गार्डन में बोलते हुए ट्रंप ने कहा, 'यह हमारी स्वतंत्रता की घोषणा है।

डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 26 फीसदी टैरिफ लगाया है। ट्रंप ने टैरिफ की घोषणा करते हुए कहा यह मुक्ति दिवस है, एक ऐसा दिन जिसका हम लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। 2 अप्रैल 2025 को हमेशा उस दिन के रूप में याद किया जाएगा जिस दिन अमेरिकी इंडस्ट्री का पुनर्जन्म हुआ था, जिस दिन अमेरिका की नियति को फिर से प्राप्त किया गया था, और जिस दिन हमने अमेरिका को फिर से अमीर बनाना शुरू किया था, हम इसे अमीर, अच्छा और अमीर बनाने जा रहे थे। ट्रंप के भारत सहित दुनिया के कई देशों पर लगाए गए टैरिफ ने चौतरफा ट्रेड वॉर की आशंका को बढ़ा दिया है। ट्रंप ने कहा कि हमारे देश को अन्य देशों द्वारा लूटा गया है। साथ ही ट्रंप ने कहा कि करदाताओं को 50 से अधिक वर्षों से लूटा जा रहा है, लेकिन अब ऐसा नहीं होने वाला है। उन्होंने कहा, ₹मैं दुनिया भर के देशों पर पारस्परिक (रेसिप्रोकल) टैरिफ लगाने वाले एक ऐतिहासिक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर रहा हूं। रेसिप्रोकल, इसका मतलब है कि वे हमारे साथ जैसा कर रहे हैं, वैसा ही हम उनके साथ करेंगे।

ट्रंप ने विदेश से आने वाली सभी वस्तुओं पर 10% से लेकर 49% तक टैरिफ लगाने की घोषणा की। इनमें भारत से आने वाले सामानों पर 26% टैरिफ के अलावा चीन से आने वाले सामानों पर 34% टैरिफ, यूरोपीय संघ से आने वाले सामानों पर 20% टैरिफ और यूनाइटेड किंगडम से आने वाले सामानों पर 10% टैरिफ शामिल है। साथ ही वियतनाम पर 46% टैरिफ, ताइवान पर 32%, जापान पर 24%, दक्षिण कोरिया पर 25%, थाईलैंड पर 36% और कंबोडिया पर 49%। अगर रेंज देखें तो तमाम देशों पर 10% से लेकर 49% तक के व्यापक टैरिफ लागू किए हैं।

ज्ञात हो कि पिछले कुछ हफ्तों में भारत ने भी अपने टैरिफ सिस्टम में बदलाव किया है। भारत ने 8,500 औद्योगिक वस्तुओं पर आयात शुल्क कम कर दिया है। इनमें अमेरिकी सामान जैसे कि बर्बन व्हिस्की और हार्ले-डेविडसन की महंगी मोटरसाइकिलें शामिल हैं। इससे अमेरिकी राष्ट्रपति की एक पुरानी शिकायत दूर हो गई है। भारत ने यह भी संकेत दिया है कि वह अमेरिका से ज्यादा तेल, छठ्ऋ और रक्षा उपकरण खरीदेगा। अधिकारियों ने यह भी संकेत दिया है कि आगे और भी टैरिफ में कटौती की जाएगी। ट्रंप के ताजा टैरिफ से भारत पर अपने टैरिफ सिस्टम में और भी ज्यादा कटौती करने का दबाव बढ़ेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबक भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों पर शुल्क में कटौती की अमेरिकी मांगों पर विचार कर रहा है। नए टैरिफ से भारत पर गैर-टैरिफ व्यापार बाधाओं को हटाने का भी दबाव बढ़ सकता है। इनमें कुछ आयातों पर अपारदर्शी आयात प्रतिबंध और लाइसेंसिंग आवश्यकताएं शामिल हैं। अपारदर्शी का मतलब है कि ये नियम और प्रतिबंध स्पष्ट नहीं हैं और आसानी से समझ में नहीं आते हैं।

मौजूदा तथ्यों के बावजूद कि भारत और अमेरिका को किसी भी आर्थिक मानदंड पर समान नहीं किया जा सकता है, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की 2 अप्रैल से अमेरिका की यात्रा के दौरान घोषणा की कि भारतीय उत्पादों पर समान आयात शुल्क लगाया जाएगा। वास्तव में, ट्रम्प के दूसरी बार पद संभालने के बाद मोदी की यह पहली अमेरिका यात्रा थी। लेकिन फिर भी, ट्रम्प ने सभी राजनयिक प्रोटोकॉल को एक तरफ रख दिया और भारत पर एक समान आयात शुल्क की घोषणा की। यह भारत की दूसरी उपमा है। इससे पहले, ट्रम्प प्रशासन ने उन्हें हाथों-हाथ सैन्य विमान पर घर भेजकर हमारा अपमान किया था। उस समय, हमने वास्तव में अमेरिकी कार्रवाई का विरोध किया, लेकिन यह नहीं मिला, क्योंकि जब मोदी अमेरिका में थे, तब भी अमेरिका भारतीय शरणार्थियों पर यही कर भेजता रहा। ऐसा लगता है कि यह वास्तव में आ जाएगा। दरअसल, भारतीय उद्यमी इस उम्मीद में जी रहे थे कि मोदी और ट्रंप की दोस्ती उन्हें बचा लेगी। लेकिन ऐसा होने के कोई संकेत नहीं हैं। ऐसा नहीं है कि अंतिम समय में ट्रम्पोजी के दिमाग में आओ₹ कहकर भारत के बैग में कुछ रियायतें नहीं डाली जाएंगी। लेकिन यह संभावना धूमिल लगती है। ऐसी स्थिति में, हमें यह अनुमान लगाने की आवश्यकता है कि यदि यह आयात कर समानता वास्तविकता बन जाती है तो क्या होगा। यह इस समय सीमा की पूर्व संध्या पर संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा जारी एक रिपोर्ट में परिलक्षित होता है, देश का व्यापार विभाग, जिसका शीर्षक 'विदेश व्यापार बाधाओं पर राष्ट्रीय व्यापार अनुमान' है, जो भारत द्वारा लगाए गए आयात करों का विवरण देता है। कृषि उत्पाद, मोटर और संबंधित उद्योग, दवाएं और शराब चार कारक हैं जो संयुक्त राज्य अमेरिका के गुस्से का कारण बने हैं। यह अमेरिका की शिकायत है। ट्रम्प ने पहले अल्ट्रा-रिच हार्ले-डेविडसन पर भारत में लगाए गए कर पर टिप्पणी की थी। शुरू में, उन्होंने इसे नजरअंदाज कर दिया। लेकिन जब उन्हें एहसास हुआ कि मामला गंभीर है, तो ट्रम्प संतुष्ट नहीं दिखे। वह संतुष्ट नहीं लग रहे हैं। वह चाहते हैं कि भारत मोटर उद्योग से संबंधित सभी करों में कटौती करे। दूसरा मुद्दा दवाओं का है। हम चीन के बाद सबसे बड़े थोक दवा निमार्ता हैं। हम इससे रसायन बनाते हैं। उन्हें अमेरिकी कंपनियों द्वारा खरीदा जाता है। अमरीका उन पर लगाए गए आयात शुल्क को स्वीकार नहीं करता है जब उन्हें अंतिम रूप से भेषज उत्पादों में परिवतत किया जाता है और वे भारतीय बाजार में आते हैं। हम स्थानीय उत्पादों को आकर्षक बनाने के लिए विदेशी आयातित वस्तुओं/उत्पादों पर आयात कर लगाते हैं। ट्रंप चाहते हैं कि रेट कम किया जाए। वही विदेशी शराब के लिए जाता है। ब्रिटेन ने भी इस मुद्दे को उठाया है और यह भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते में एक बड़ी बाधा रहा है। इसकी एक वजह उन देशों में शराब की गुणवत्ता और भारतीय बाजार में बढ़ती मांग है। बड़े पैमाने पर भारतीय उन लक्जरी शराब का खर्च नहीं उठा सकते हैं। साथ ही, हमने 'भारत निर्मित विदेशी शराब' की भ्रामक श्रेणी बनाई और विदेशी बाजार में बसने की कोशिश की। वह असफल रहा। शराब बनाने के 'उनके' नियमों के कारण, हम कहते हैं कि हमें उन्हें लागू नहीं करना चाहिए। क्योंकि हमारे देश में अधिक गर्मी है, यह तर्क कि शराब कम समय में मर जाती है, अमेरिकी देशों को स्वीकार्य नहीं है। इसलिए हमारी शराब पर प्रतिबंध हैं और हम देखते हैं कि उनकी शराब कैसे अधिक से अधिक महंगी हो जाएगी। ट्रम्प इस बात को स्वीकार नहीं करते हैं। इसलिए, उनकी स्थिति यह है कि भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में उतना ही कर लगाया जाना चाहिए जितना भारत इन चार घटकों में अमेरिकी उत्पादों पर लगाता है। इसका मतलब है कि अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पाद और महंगे हो जाएंगे और उनकी मांग घट जाएगी। दूसरे शब्दों में, इन उत्पादों के भारतीय निमार्ता प्रभावित होंगे। नतीजतन, हमारी पहले से ही धीमी अर्थव्यवस्था और भी धीमी हो जाएगी। इससे बचने के लिए हमारे सामने एक ही उपाय है कि हम अमेरिकी उत्पादों पर आयात शुल्क कम करें। ट्रंप की बयानबाजी यह है कि उन्होंने पारस्परिक रूप से यह भी कहा है कि भारत आयात करों की मात्रा कम करने के लिए तैयार है। ये कटौती वास्तव में हो रही है या नहीं, यह अब पता चलेगा। लेकिन ऐसा करना उतना आसान नहीं है जितना लगता है। ऐसा इसलिए क्योंकि अगर हम वास्तव में अमेरिकी उत्पादों पर आयात शुल्क कम करते हैं, जैसा कि ट्रंप चाहते हैं, तो इसका नतीजा यह होगा कि इस क्षेत्र में अमेरिकी उत्पादों की कीमतें भारतीय बाजार में कम हो जाएंगी और उनकी मांग बढ़ जाएगी। यह स्पष्ट है कि यह केवल स्थानीय उत्पादों और परिणामस्वरूप हमारे कारखानों को प्रभावित करेगा। यह एक 'अच्छी तरह से यहाँ और वहाँ' स्थिति है। सवाल यह है कि हम इसके माध्यम से कैसे प्राप्त करते हैं।

लेकिन ऐसा नहीं है। अमेरिकी बयान ने भारत सरकार के एक और मुद्दे पर अपनी नाराजगी व्यक्त की: सरकार के नियम बदल जाते हैं, उदाहरण के लिए, एप्पल, अमेजॅन और फेसबुक जैसी कंपनियों के पास कंप्यूटर होना चाहिए जो भारत में अपने उपयोगकताओं की जानकारी संग्रहीत करते हैं, या मास्टरकार्ड और वीजा जैसे क्रेडिट कार्ड का उपयोग करने वाले भारतीय उपभोक्ताओं पर इसी तरह का आदेश। लैपटॉप आयात पर प्रतिबंध जैसे मुद्दे हैं। यह कहना मुश्किल है कि वे उचित नहीं हैं। खेल शुरू करने के बीच में नियमों को बदलने की यह प्रवृत्ति वास्तव में भारतीय उद्यमियों के लिए भी एक समस्या है। लेकिन क्योंकि उनके पास इसके बारे में शिकायत करने का साहस नहीं है, ये भारतीय उद्यमी झुकते हैं और सभी 'दिनचर्या' को सहन करते हैं। अमेरिकी कंपनियों से भी यह सहिष्णुता दिखाने की उम्मीद करना अनुचित है। ट्रम्प के कार्यालय में आने पर यह लगभग असंभव है। देश तो यहां तक आ गया है कि इस सरकारी प्रथा से अपनी नाराजगी सार्वजनिक रूप से जाहिर कर रहा है और आपके पास इस मुद्दे पर भी पीछे हटने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। नतीजतन, ऐसे संकेत हैं कि लैपटॉप आयात पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय उलट दिया जाएगा। जिन मुद्दों पर वापसी होगी, उनके विवरण की घोषणा अब की जाएगी।अमेरिका में ट्रम्प की गवाही ने उनके नारे 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' उर्फ 'मागा' को 'मेक इंडिया ग्रेट अगेन' उर्फ 'मिगा' के रूप में संदर्भित किया। यह अच्छा है, लेकिन असली चुनौती 'मागा' के सामने 'मिगा' को बनाए रखना है। यह सवाल पूछना अधिक विचारोत्तेजक है।

भंवरों को देवी है जीण माता

-रमेश सर्राफ धमोरा

नवरात्री पर विशेष

राजस्थान के सीकर-जयपुर मार्ग पर गोरिया के पास जीणमाता गांव में देवी स्वरूपा जीण माता का प्राचीन मंदिर बना हुआ है। जीण माता का वास्तविक नाम जयन्ती माता है। माता दुर्गा की अवतार है। यह मंदिर शक्ति की देवी को समर्पित है। घने जंगल से घिरा हुआ है यह मंदिर तीन छोटी पहाड़ों के संगम पर स्थित है। जीण माता का यह मन्दिर बहुत प्राचीन शक्ति पीठ है। जीण माता का मंदिर दक्षिण मुखी है। लेकिन मंदिर का प्रवेश द्वार पूर्व में है। मंदिर की दीवारों पर तांत्रिकों व वाममार्गियों की मूर्तियां लगी है। जिससे यह भी सिद्ध होता है कि उक्त सिद्धांत के मतावलंबियों का इस मंदिर पर कभी अधिकार रहा है या उनकी यह साधना स्थली रही है।

मंदिर के देवायतन का द्वार सभा मंडप में पश्चिम की ओर है। यहां जीण भगवती की अष्टभुजी आदमकद मूर्ति प्रतिष्ठापित है। सभा मंडप पहाड़ के नीचे है। मंदिर में ही एक और मंदिर है जिसे गुफा कहा जाता है। जहां जगदेव पंवार का पीतल का सिर और कंकाली माता की मूर्ति है। मंदिर के पश्चिम में महात्मा का तप स्थान है जो धुणा के नाम से प्रसिद्ध है। लोगों का मानना है कि यह मंदिर एक हजार साल पुराना है। लेकिन कई इतिहासकार आठवीं सदी में जीण माता मंदिर का निर्माण काल मानते हैं। मंदिर में अलग-अलग आठ शिलालेख लगे हैं जो मंदिर की प्राचीनतम के सबल प्रमाण है। उपरोक्त शिलालेखों में सबसे पुराना शिलालेख संवत 1029 का है। जिस पर उसमें मंदिर के निर्माण का समय नहीं लिखा गया है। इसलिए यह मंदिर उससे भी अधिक प्राचीन है। चैहान चन्द्रिका नामक पुस्तक में इस मंदिर का 9 वीं शताब्दी से पूर्व के आधार मिलते हैं। एक जनश्रुति के अनुसार देवी जीण माता ने सबसे बड़ा चमत्कार मुगल बादशाह औरंगजेब को दिखाया था। औरंगजेब ने शेखावाटी के मंदिरों को तोड़ने के लिए एक विशाल सेना भेजी थी। यह सेना हर्ष पर्वत पर शिव व हर्षनाथ भैरव का मंदिर खंडित कर जीण मंदिर को खंडित करने आगे बढ़ी तो कहते है कि मन्दिर के पुजारियों के आर्त स्वर में मां से विनय करने पर मां जीण ने भंवरे (बड़ी मधुमखियां) छोड़ दी जिनके आक्रमण से औरंगजेब की शाही सेना लहूलुहान हो भाग खड़ी हुई। कहते है स्वयं बादशाह की हालत बहुत गंभीर हो गई। तब बादशाह ने हाथ जोड़ कर मां जीण से क्षमा याचना कर मां के मंदिर में अखंड दीप के लिए दिल्ली से सवामण तेल भेजने का वचन दिया। कई वर्षो तक माता के मन्दिर में दीपक के लिये दिल्ली से तेल आता रहा फिर दिल्ली के बजाय जयपुर से आने लगा। बाद में जयपुर महाराजा ने इस तेल को मासिक के बजाय वर्ष में दो बार नवरात्रों के समय भिजवाना आरम्भ कर दिया। और महाराजा मान सिंह जी के समय तेल के स्थान पर नगद 20 रु. 3 आने प्रतिमाह कर दिए। जो निरंतर प्राप्त होते रहे। औरंगजेब को चमत्कार दिखाने के बाद जीण माता भंवरों की देवी भी कही जाने लगी।

हमारे देश में दुर्गा मां को शक्ति की देवी के रूप में पूजा जाता है। दुर्गा मां के कई रूप और अवतार हैं। पूरे भारत में नवरात्रा के अवसर पर माता के मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ पड़ती है। आस्था से भरे इस देश में माता का स्थान सबसे ऊपर है। जीण माता देवी शक्ति है जो सदियों से लेकर आज तक लगातार आराध्य देवी के रूप में पूजी जाती हैं। जीण माता मंदिर में हर वर्ष चैत्र सुदी एकम् से नवमी (नवरात्रा में) व आसोज सुदी एकम से नवमी में दो विशाल मेले लगते हैं। जिनमे देश भर से लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते है। जीणमाता मेले के अवसर पर राजस्थान के बाह्य अंचल से भी अनेक लोग आते हैं। मन्दिर में बारह मास अखण्डदीप जलता रहता है। हर मंदिर के कपाट चंद्र ग्रहण के दौरान बंद रहते हैं। इसका कारण यह है कि चंद्र ग्रहण के दौरान नकारात्मक शक्तियां बढ़ जाती हैं और सकारात्मक शक्तियां कमजोर पड़ जाती हैं। इसलिए मान्यता है कि अगर मंदिर के कपाट खुले रखेंगे तो मंदिर में बुरी शक्तियों का वास होगा। लेकिन शक्तिपीठ जीण माता मंदिर के कपाट हमेशा खुले रहते हैं। इस मंदिर के कपाट कभी भी बंद नहीं होते हैं। राजस्थान का यह एकमात्र ऐसा मंदिर है जहां 24 घंटे भक्त मां जीण भवानी के दर्शन करते हैं। लोक कथाओं के अनुसार जीण माता का जन्म अवतार राजस्थान के चूरू जिले के घांघू गांव के अधिपति एक चौहान वंश के राजा घंघ के घर में हुआ था। जीण माता के बड़े भाई का नाम हर्ष था। माता जीण को शक्ति का अवतार माना गया है और हर्ष को भगवान शिव का अवतार माना गया है। कहते हैं कि दोनों बहन भाइयों में बहुत स्नेह था। लेकिन किसी बात पर दोनों मनमुटाव हो गया। तब जीण माता यहां आकर तपस्या करने लगी। पीछे-पीछे हर्षनाथ भी अपनी लाडली बहन को मनाने के लिए आए। लेकिन जीण माता जिद कर साथ जाने से मना कर दिया। हर्षनाथ का मन बहुत उदास हो गया और वे भी वहां से कुछ दूर जाकर तपस्या करने लगे। दोनों भाई बहन के बीच हुई बातचीत का सुलभ वर्णन आज भी राजस्थान के लोक गीतों में मिलता है। भगवन हर्षनाथ का भव्य मन्दिर आज भी राजस्थान की अरावली पर्वतमाला में स्थित है।

जीण भवानी की सुबह चार बजे मंगला आरती होती है। आठ बजे श्रृंगार के बाद आरती होती है व सायं सात बजे आरती होती है। दोनों आरतियों के बाद भोग (चावल) का वितरण होता है। माता के मन्दिर में प्रत्येक दिन आरती समयानुसार होती है। चन्द्रग्रहण और सूर्य ग्रहण के समय भी आरती अपने समय पर होती है। हर महीने शुक्ल पक्ष की अष्टमी को विशेष आरती व प्रसाद का वितरण होता है। माता के मन्दिर के गर्भ गृह के द्वार (दरवाजे) 24 घंटे खुले रहते हैं। केवल श्रृंगार के समय पर्दा लगाया जाता है। हर वर्ष शरद पूर्णिमा को मन्दिर में विशेष उत्सव मनाया जाता है। जीणमाता मंदिर से काजल शिखर की 300 फीट ऊंचाई पर है। बुजुर्ग, दिव्यांग, महिलाओं, बच्चों का यहां पहुंच पाना मुश्किल रहता था। इन सबकी सुविधा के लिए अब रोप वे शुरू हो गया है। शिखर तक पहुंचने में अब तक 2 घंटे लगते थे। लेकिन रोप वे से ये दूरी 5 मिनट में तय हो जाती है।

कृषि क्षेत्र में कर-वट बदलता भारत

भारत में लगभग 60 प्रतिशत आबादी आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है और अपनी आजीविका के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। जबकि, कृषि क्षेत्र का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान केवल 18 प्रतिशत के आस पास बना हुआ है। इस प्रकार, भारत में यदि गरीबी को जड़ मूल से नष्ट करना है तो कृषि के क्षेत्र में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों को लागू करना ही होगा। भारत ने हालांकि आर्थिक क्षेत्र में पर्याप्त सफलताएं अर्जित की हैं और भारत आज विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तथा शीघ्र ही अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। साथ ही, भारत आज विश्व में सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था भी बन गया है। परंतु, इसके आगे की राह अब कठिन है, क्योंकि केवल सेवा क्षेत्र एवं उद्योग क्षेत्र के बल पर और अधिक तेज गति से आगे नहीं बढ़ा जा सकता है और कृषि क्षेत्र में आर्थिक विकास की दर को बढ़ाना होगा।

भारत में हालांकि कृषि क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए गए हैं और भारत आज कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन गया है। परंतु, अभी भी बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है। किसानों के पास पूंजी का अभाव रहता था और वे बहुत ऊंची ब्याज दरों पर महाजनों से ऋण लेते थे और उनके जाल में जीवन भर के लिए फंस जाते थे, परंतु, आज इस समस्या को बहुत बड़ी हद्द तक हल किया जा सका है और किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसान को आसान नियमों के अंतर्गत बैंकों से पर्याप्त ऋण की सुविधा उपलब्ध है और इस सुविधा का लाभ आज देश के करोड़ों किसान उठा रहे हैं। दूसरे, इसी संदर्भ में किसान सम्मान निधि योजना भी किसानों के लिए बहुत लाभकारी सिद्ध हो रही है और इस योजना का लाभ भी करोड़ों किसानों को मिल रहा है। इससे किसानों की कृषि सम्बंधी बुनियादी समस्याओं को दूर करने के सफलता मिली है।

भारतीय कृषि आज भी मानसून पर निर्भर है। देश के ग्रामीण इलाकों में सिंचाई सुविधाओं का अभाव है। इस समस्या को हल करने के उद्देश्य से भारत सरकार प्रति बूंद अधिक फसल की रणनीति पर काम कर रही है एवं सूक्ष्म सिंचाई पर बल दिया जा रहा है ताकि कृषि के क्षेत्र में पानी के उपयोग को कम किया जा सके तथा जल संरक्षण के साथ सिंचाई की लागत भी कम हो सके। देश में कृषि जोत हेतु पर्याप्त भूमि का अभाव है और देश में सीमांत एवं छोटे किसानों की संख्या करोड़ों की संख्या में हो गई है। जिससे यह किसान किसी तरह अपना और परिवार का भरण पोषण कर पा रहे हैं इनके लिए कृषि लाभ का माध्यम नहीं रह गया है। इन तरह की समस्याओं के हल हेतु अब केंद्र सरकार विभिन्न उत्पादों के लिए प्रतिवर्ष न्यूनतम समर्थन मूल्य में,

मुद्रा स्फीति को ध्यान में रखकर, वृद्धि करती रहती है, इससे किसानों को अत्यधिक लाभ हो रहा है। भंडारण सुविधाओं (गोदामों एवं कोल्ड स्टोरेज का निर्माण) में पर्याप्त वृद्धि दर्ज हुई है एवं साथ ही परिवहन सुविधाओं में सुधार के चलते किसान कृषि उत्पादों को लाभ की दर पर बेचने में सफल हो रहे है अन्यथा इन सुविधाओं में कमी के चलते किसान अपने कृषि उत्पादों को बाजार में बहुत सस्ते दामों पर बेचने पर मजबूर हुआ करता था। खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना भारी मात्रा में की जा रही है इससे कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन को बढ़ावा मिल रहा है एवं कृषि उत्पादों की बबार्दी को रोकने में सफलता मिल रही है।

आज भारत में उच्च गुणवत्ता वाले बीजों के उपयोग पर ध्यान दिया जा रहा है ताकि उर्वरकों के उपयोग की आवश्यकता कम हो एवं कृषि उत्पादकता बढ़े। इस संदर्भ में मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना भी किसानों की मदद कर रही है इससे किसान कृषि भूमि पर मिट्टी के स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर कृषि उत्पाद कर रहे हैं। राष्ट्रीय कृषि बाजार को स्थापित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि किसान सीधे ही उपभोक्ता को उचित दामों पर अपनी फसल को बेच सके। साथ ही, कृषि फसल बीमा के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि देश में सूखे, अधिक वर्षा, चक्रवात, अतिवृष्टि, अग्नि आदि जैसी प्रकृतिक आपदाओं के चलते प्रभावित हुई फसल के नुक्सान से किसानों को बचाया जा सके। आज करोड़ों की संख्या में किसान फसल बीमा योजना का लाभ उठा रहे हैं। देश में खेती किसानी का काम पूरे वर्ष भर तो रहता नहीं है अतः किसानों के लिए अतिरिक्त आय के साधन निर्मित करने के उद्देश्य से डेयरी, पशुपालन, मधु मक्खी पालन, पोल्ट्री, मत्स्य पालन आदि कृषि सहायक क्षेत्रों पर भी ध्यान दिया जा रहा है, ताकि किसानों को अतिरिक्त आय की सुविधा मिल सके। विश्व के विभिन्न देशों ने अपनी आर्थिक प्रगति के प्रारम्भिक चरण में कृषि क्षेत्र का ही सहारा लिया है। औद्योगिक क्रांति तो बहुत बाद में आती है इसके पूर्व कृषि क्षेत्र को विकसित अवस्था में पहुंचाना होता है। भारत में भी आज कृषि क्षेत्र, देश की अर्थव्यवस्था का आधार है, जो न केवल खाद्य सुरक्षा प्रदान करता है बल्कि करोड़ों नागरिकों के लिए रोजगार के अवसर भी निर्मित करता है। साथ ही, औद्योगिक इकाईयों के लिए कच्चा माल भी उपलब्ध कराता है। वैश्विक स्तर पर कृषि क्षेत्र की महत्ता आगे आने वाले समय में भी इसी प्रकार बनी रहेगी क्योंकि इस क्षेत्र से पूरी दुनिया के नागरिकों के लिए भोजन, उद्योग के लिए कच्चा माल एवं रोजगार के अवसर कृषि क्षेत्र से ही निकलते रहेंगे। हां, कृषि क्षेत्र में आज हो रही प्रौद्योगिकी में प्रगति के चलते किसानों को कम भूमि पर, मशीनों का उपयोग करते हुए, कम पानी की आवश्यकता के साथ भी अधिक उत्पादन करना सम्भव हो रहा है। इससे उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ कृषि उत्पाद की लागत कम हो रही है और किसानों के लिए खेती एक उद्योग के रूप में पनपता हुआ दिखाई दे रहा है और अब यह लाभ का व्यवसाय बनता हुआ दिखाई देने लगा है। केला, आम, अमरूद, पपीता, नींबू जैसे कई ताजे फलों एवं चना, भिंडी जैसी सब्जियों, मिर्च, अदरक जैसे प्रमुख मसालों, जूट जैसी रेशेदार फसलों, बाजरा एवं अरंडी के बीज जैसे प्रमुख खाद्य पदार्थों एवं दूध के उत्पादन में भारत पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है। दुनिया के प्रमुख खाद्य पदार्थों यथा गेहूं एवं चावल का भारत विश्व में दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। भारत वर्तमान में कई सूखे मेवे, कृषि आधारित कपड़े, कच्चे माल, जड़ और कांड फसलों, दालों, मछली पालन, अंडे, नारियल, गन्ना एवं कई सब्जियों का पूरे विश्व में सबसे बड़ा उत्पादक है।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारत 80 प्रतिशत से अधिक कृषि उपज फसलों (काफी एवं कपास जैसी नकदी फसलों सहित) के साथ दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा उत्पादक देश बन गया था। साथ ही, भारत सबसे तेज विकास दर के साथ पशुधन एवं मुर्गी मांस के क्षेत्र में दुनिया के पांच सबसे बड़े उत्पादक देशों में शामिल हो गया है। कुल मिलाकर भारतीय अर्थव्यवस्था में किसी भी दृष्टि से कृषि क्षेत्र के योगदान को कमतर नहीं आंका जा सकता है क्योंकि उद्योग एवं सेवा क्षेत्र का विकास भी कृषि क्षेत्र के विकास पर ही निर्भर करता है। अधिकतम उपभोक्ता तो आज भी ग्रामीण इलाकों में ही निवास कर रहे हैं एवं उद्योग क्षेत्र में निर्मित उत्पादों की मांग भी ग्रामीण इलाकों से ही निकल रही है। अतः देश में कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देना ही होगा।

- प्रहलाद सबनानी

पवन काळे को मुंबई राष्ट्रवादी युवा कांग्रेस का सचिव नियुक्त किया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पिछले 18 वर्षों से लगातार सामाजिक कार्यों में योगदान देने और पार्टी के प्रति निष्ठा बनाए रखने वाले पवन शिवाजी काळे को मुंबई राष्ट्रवादी युवक कांग्रेस-शरदचंद्र पवार गुट का मुंबई सचिव नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति की आधिकारिक घोषणा मुंबई युवा अध्यक्ष एडवोकेट डॉ अमोल मातेले द्वारा की गई। इस निर्णय को पार्टी के वरिष्ठ नेता शरदचंद्र पवार का समर्थन प्राप्त है। नियुक्ति के बाद प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पवन शिवाजी काळे ने आने वाले समय में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सड़क और सामाजिक कार्यों में और अधिक सक्रियता से योगदान देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि वह पार्टी की नीतियों और जनहित में काम करने का प्रयास करते रहेंगे। पवन काळे को राष्ट्रवादी युवा कांग्रेस शरदचंद्र पवार गुट का मुंबई सचिव नियुक्त किया गया है। इससे अब मुंबई का युवा नेतृत्व मजबूत होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस नियुक्ति से पार्टी संगठन मजबूत होगा।

मुजीबुर्रहमान सिद्दीकी उत्तर मध्य मुंबई जिला राकांपा के महासचिव नियुक्त

मुंबई (उत्तरशक्ति)। कुर्ला के जाने माने समाजसेवक और अनेक सामाजिक संगठनों के महत्वपूर्ण पदों पर विराजमान वरिष्ठ कांग्रेस नेता मुजीबुर्रहमान सिद्दीकी आज अपने अपने कार्यकर्ताओं के साथ राकांपा में शामिल हो गए। इस अवसर पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी मुंबई के कार्याध्यक्ष सिद्धार्थ टी कांबले, महाराष्ट्र प्रदेश प्रवक्ता संजय तटकर उत्तर मध्य मुंबई जिला अध्यक्ष अरशद अमीर के नेतृत्व में सिद्दीकी को नियुक्ति पत्र सौंपा गया। अपनी नियुक्ति पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुजीबुर्रहमान सिद्दीकी ने कहा कि राकांपा ही एक ऐसी पार्टी है जो समाज के सभी जाति धर्मों को एक साथ लेकर चल रही है। हम सबके नेता और महाराष्ट्र के लोकप्रिय उपमुख्यमंत्री अजीत दादा पवार के नेतृत्व में संपूर्ण महाराष्ट्र का विकास युद्ध स्तर पर शुरू है। इस अवसर पर चांदीवली तालुका अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह सहित अन्य कई लोग मौजूद थे। मुजीबुर्रहमान सिद्दीकी की नियुक्ति पर राकांपा के अनेक नेताओं और सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों ने बधाई दी है।

मिल्की मिस्ट और मिल्कलेन की साझेदारी

मुंबई। इनोटेरा के डेयरी और पशु आहार व्यवसाय मिल्कलेन ने भारत के अग्रणी और नवोन्मेषी डेयरी ब्रांडों में से एक, मिल्की मिस्ट के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस गठजोड़ का उद्देश्य है मिल्की मिस्ट के बढ़ते मूल्य-वर्द्धित उत्पादों के लिए उच्च गुणवत्ता वाला, पूरी तरह से ट्रेसेबल (ट्रैक करने योग्य) दूध सुनिश्चित करना। मिल्कलेन प्रीमियम दूध की आपूर्ति के लिए अपने किसानों के मजबूत नेटवर्क और कठोर गुणवत्ता नियंत्रण से काम लेगी, जबकि मिल्की मिस्ट उन्नत डेयरी उत्पादों की आपूर्ति के लिए अपनी एडवांस्ड प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी और बाजार की पहुँच का इस्तेमाल करेगी। इस साझेदारी के तहत मिल्कलेन तीन वर्षों से अधिक समय तक प्रतिदिन 100 किलोलीटर प्रीमियम दूध की आपूर्ति करेगा। यह सहयोग 10,000 से अधिक किसानों को सीधे लाभ देगा, उन्हें उचित मूल्य और पोषण-समृद्ध पशु आहार की पहुंच सुनिश्चित करेगा। 400 करोड़ रुपये से अधिक के इस अनुबंध के तहत, मिल्कलेन अपने 100% बल्क मिल्क कूलर (बीएमसी) मॉडल, भारत में पहली बार इस्तेमाल की जा रही स्टेनलेस स्टील केन वितरण प्रणाली और कठोर गुणवत्ता जांच जैसे प्रोटोकॉल के जरिए मिल्की मिस्ट को सर्वोत्तम गुणवत्ता वाला 100 किलोलीटर प्रीमियम दूध पहुंचाएगा। कलेक्शन सेंटर्स पर एंटीबायोटिक और मिलावट की गहन जांच की जाएगी। साथ ही, सप्लाई चेन की रीयल-टाइम ट्रैकिंग के जरिए पारदर्शिता, निरंतरता और ट्रेसबिलिटी सुनिश्चित होगी। मिल्की मिस्ट, जो कि मूल्य-वर्द्धित डेयरी क्षेत्र में अग्रणी है, तमिलनाडु के पेरुंदुरई में स्थित अपने 75 एकड़ के पूर्णतः ऑटोमेटेड प्लांट में रोजाना 1.5 मिलियन लीटर दूध का प्रसंस्करण (प्रोसेस) करता है। कंपनी पवन और सौर ऊर्जा के उपयोग के जरिए स्थायित्व (सस्टेनेबिलिटी) के लिए प्रतिबद्ध है। मिल्कलेन के साथ यह सहयोग कंपनी की सप्लाई चेन को और अधिक मजबूती देगा।

नीट की गुणवत्तापूर्ण तैयारी अब और सुलभ : नीट-2026 के परीक्षार्थियों के लिए लाइव कोर्स साबित होगा गेम-चेंजर

मुंबई/पटना। देश के प्रमुख कोचिंग संस्थान एलन करियर इंस्टीट्यूट की डिजिटल शाखा एलन ऑनलाइन की ओर से मात्र 9990 रुपए की शुरुआती कीमत पर यूनीक लाइव नीट पैकेज की घोषणा की गई है। नीट-2026 की तैयारी करने वाले स्टूडेंट्स के लिए यह नीट-पॉवर प्लस कोर्स विशेष रूप से एड-ऑन रिसोर्स के रूप में डिजाइन किया गया है। इस कोर्स में एलन कोटा की अनुभवी व एक्सपर्ट फैकल्टीज की लाइव क्लासेज शामिल हैं, जो कि पूरे देश के स्टूडेंट्स के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करेगी।

यह नया पैकेज आज से एलन डॉट इन पर उपलब्ध होगा। इसकी कक्षाएं मई के दूसरे सप्ताह में शुरू होंगी। इस घोषणा के बाद नीट पॉवर प्लस के माध्यम से मात्र 9990 रुपए की शुरुआती कीमत में देश के किसी भी कोने में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स भी एलन कोटा की अनुभवी व एक्सपर्ट फैकल्टीज से पढ़ाई की इच्छा पूरी हो सकेगी।

एलन डिजिटल के सीईओ आभा माहेश्वरी ने बताया कि देश में मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट के स्टूडेंट्स अपनी तैयारी को मजबूती देने के लिए गुणवत्तापूर्ण अतिरिक्त संसाधनों की तलाश में रहते हैं। इस कोर्स की विशेष कीमत यह दशार्ती है कि एलन ऑनलाइन देश के हर स्टूडेंट तक एलन की असाधारण शिक्षा पद्धति और अध्ययन सामग्री पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह कोर्स स्टूडेंट्स की नीट की तैयारी को उत्कृष्टता प्रदान करते हुए प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन के लिए डिजाइन किया गया है।

भानुदास पालवे का विदाई समारोह व मनोज रानडे का स्वागत समारोह आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिला परिषद के जननायक बिरसा मुंडा सभागार में बुधवार 2 अप्रैल 2025 को जिला परिषद के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी भानुदास पालवे के सम्मान में विदाई समारोह तथा नवनियुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे के स्वागत समारोह का भव्य आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में पूर्व जिलाधिकारी गोविंद बोडके, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश निकम, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे, प्रकल्प संचालक डॉ. रूपाली सातपुते, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी चंद्रशेखर जगताप, इजाज अहमद शरीख मसलत, मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी धनराज पांडे सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इसके अलावा, पूर्व जिला परिषद सदस्य नीता पाटील, भावना विचारे, विनया पाटील, काशिनाथ चौधरी, हबीब शेख, मंगेश भोईर, जयेंद्र दुबला, जिला परिषद के सभी विभाग प्रमुख, गट विकास अधिकारी, जिला परिषद के कर्मचारी व अधिकारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। भानुदास पालवे की पत्नी सुनीता पालवे भी इस विशेष अवसर पर उपस्थित रहीं। समारोह के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भानुदास पालवे की प्रशासनिक कार्यशैली की सराहना की। उनके नेतृत्व में जिले में विभिन्न योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हुआ। इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने पालवे को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। मनोज रानडे ने पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी पालवे के कार्यकाल के दौरान हुए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए पालघर जिले को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए सभी से सहयोग की अपील की। पूर्व जिलाधिकारी गोविंद बोडके ने भी उनके कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में कई महत्वपूर्ण कार्य पूरे किए गए। पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश निकम ने पालवे की प्रशासनिक दक्षता की सराहना की। उन्होंने कहा, ₹एक प्रशासनिक अधिकारी कैसा होना चाहिए, तो वह भानुदास पालवे जैसा होना चाहिए।₹ इस अवसर पर भानुदास पालवे ने अपने ढाई साल के कार्यकाल के अनुभव साझा किए और अपने सहयोगियों व कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे ने समारोह की प्रस्तावना रखते हुए पालवे के कार्यकाल में लागू की गई प्रमुख योजनाओं का विवरण दिया। पूर्व जिला परिषद सदस्य काशिनाथ चौधरी, भावना विचारे, जयेंद्र दुबला तथा गट विकास अधिकारी ने भी अपने विचार व्यक्त किए और उनका सम्मान किया।

इस अवसर पर भानुदास पालवे और मनोज रानडे दोनों का विशेष सत्कार किया गया। इस मौके पर उपस्थित मान्यवरों ने भावनात्मक शब्दों में पालवे के उज्ज्वल भविष्य की कामना की, साथ ही नवनियुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे के नेतृत्व में जिला परिषद के विकास कार्यों को गति मिलने की उम्मीद जताई।

राष्ट्रवादी संयुक्त मजदूर संघ की हुई स्थापना संतोष धूवाली अध्यक्ष बने

मुंबई (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) ने आधिकारिक मजदूर संगठन की स्थापना की है।

इस संगठन को राष्ट्रवादी एकजुट कामगार संघ का नाम दिया गया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अपने आधिकारिक निवास देवगिरी पर उनकी मौजूदगी में पार्टी के महाराष्ट्र अध्यक्ष और सांसद सुनील तटकरे के हाथों संगठन के लोगो का लोकार्पण किया। इस मौके पर संगठन के अध्यक्ष बनाए गए संतोष धुवाली, उपाध्यक्ष सिद्धार्थ कांबले, कोषाध्यक्ष संजय तटकरे और महासचिव अभिजीत नागवेकर मौजूद थे।

मैरिको इनोवेशन फाउंडेशन ने लॉन्च किया इनोविन डे

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मैरिको इनोवेशन फाउंडेशन (एमआईएफ) द्वारा पहचाने गए कई तकनीकी नवाचारक भारत की प्रमुख चुनौतियों जैसे जलवायु परिवर्तन, कृषि क्षेत्र में बदलाव, जल संकट और प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन का समाधान खोज रहे हैं। ये नवाचारक खेती के अवशेषों से फर्नीचर बना रहे हैं, औद्योगिक उत्सर्जन को उपयोगी रसायनों में बदल रहे हैं, दुर्लभ-अर्थ मैग्नेट मुक्त मोटर प्रणाली विकसित कर रहे हैं, प्लास्टिक कचरे का प्रबंधन कर रहे हैं और हवा से नमी निकालकर पानी प्राप्त कर रहे हैं। ये सभी नवाचार भारत की हरित अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रहे हैं, लेकिन इन समाधानों को बड़े स्तर पर लागू करने के लिए निवेशकों, अनुदानदाताओं और व्यावसायिक ग्राहकों से जुड़ना आवश्यक है। इसी जरूरत को पूरा करने के लिए मैरिको इनोवेशन फाउंडेशन ने आज इनोविन डे लॉन्च किया। यह एक विशेष प्रभावशाली कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य इंडियन इनोवेशन आइकॉन्स 2025 के विजेताओं और स्केल-अप कार्यक्रम के नवाचारकों को वित्तीय सहायता, बाजार तक पहुंच, पायलट प्रोजेक्ट के अवसर और विशेषज्ञ मार्गदर्शन से जोड़ना है।

इस पहले इनोविन डे में 24 नवाचारकों ने भाग लिया, जो क्लीनटेक (हरित तकनीक), एग्रीटेक (कृषि तकनीक) और सर्कुलर इकॉनॉमी (पुनर्चक्रण आधारित अर्थव्यवस्था) जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे हैं और उनके समाधान बाजार में लॉन्च होने के लिए तैयार हैं। इनमें इंडियन इनोवेशन आइकॉन्स 2025 के सामाजिक और व्यावसायिक श्रेणी के विजेता असिस्टेक फाउंडेशन,

चारा टेक्नोलॉजीज, इंद्रा वॉटर, परी और रॉकेट लर्निंग शामिल थे। इसके अलावा, एमआईएफ के स्केल-अप एक्सेलरेटर प्रोग्राम में भाग लेने वाले ब्रिसिल, कैलिचे, ग्रीनपॉड लैब्स, ईशित्वा रोबोटिक सिस्टम्स, पैडकेयर, रिक्रॉन पैनल्स, उरावू, अर्बन किसान और अन्य नवाचारक भी इस पहल का हिस्सा थे। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नवाचारकों और उन हितधारकों के बीच बने महत्वपूर्ण संबंध थे, जो भविष्य में निवेश, सहयोग, पायलट प्रोजेक्ट्स और बाजार में पहुंच की संभावनाएं खोल सकते हैं। इनोविन डे की शुरूआत मैरिको लिमिटेड के अध्यक्ष और मैरिको इनोवेशन फाउंडेशन के संस्थापक हर्ष मारीवाला के मुख्य भाषण से हुई। इसके बाद स्केलिंग स्ट्रैटेजीज विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसमें एस4एस टेक्नोलॉजीज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वैभव तिडके और एटोमबर्ग टेक्नोलॉजीज के मुख्य व्यवसाय अधिकारी अरिंदम पॉल ने भाग लिया । वैभव तिडके ने कहा, एमआयएफ के रणनीतिक मार्गदर्शन ने हमारे व्यवसाय मॉडल को आकार दिया और विकास को तेज किया।

पालघर मनसे ने मराठी भाषा के उपयोग हेतु बैंकों को सौंपा ज्ञापन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने 30 मार्च को दादर के शिवतीर्थ मैदान में आयोजित गुड़ी पड़वा सम्मेलन में कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए थे कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में बैंकों में मराठी भाषा का प्रभावी ढंग से उपयोग हो रहा है या नहीं, इस पर गंभीरता से ध्यान दें। इसी निर्देश के अनुपालन में पालघर जिले में मनसे के पदाधिकारियों ने सभी बैंकों को ज्ञापन सौंपा और मराठी भाषा के प्रभावी कार्यान्वयन को लेकर चेतावनी दी। केंद्र सरकार और राज्य सरकार के राजभाषा नियम 1976 की त्रिसूत्री भाषा नीति को लागू करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने अपने 18/06/1977और 01/07/2010 के कार्यालयीन परिपत्रों के माध्यम से क्षेत्रीय भाषा के उपयोग के निर्देश दिए थे। हालांकि इसके बावजूद कई बैंक इन नियमों का पालन करते हुए नजर नहीं आ रहे हैं। मनसे के प्रतिनिधिमंडल ने इस मुद्दे को उजागर किया और बैंकों को अगले 7 दिनों की मोहलत दी। साथ ही चेतावनी दी कि यदि 7 दिनों के भीतर मराठी भाषा का प्रभावी कार्यान्वयन नहीं हुआ तो तीव्र आंदोलन किया जायेगा। इस अवसर पर मनसे पालघर जिला अध्यक्ष (ग्रा.)भावेश चुरी, समीर मोरे, उपजिला अध्यक्ष विशाल जाधव, मनविसे पालघर जिला अध्यक्ष धीरज गावड, महिला सेना तालुका अध्यक्ष हेमांगी राऊल, मनसे रोजगार स्वरोजगार जिला संगठक उदय माने, कामगार सेना के अनंत दलवी, जालीम तडवी, सिद्धेश महाले, अजित म्हात्रे, विनायक कोलसकर, उपतालुका अध्यक्ष वैभव नाइक, मनीष पाटील, सत्यम मिश्रा, तन्मय संखे, मयुरेश पाटील, सुयोग संखे सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मां के स्मृति दिन पर जनसेवक महेश गायकवाड़ ने माताओं-बहनों को किया अन्न-धान्य का वितरण

कल्याण (उत्तरशक्ति)। 16 वर्ष की आयु में मातृत्व की छत्रछाया भले ही खो दी हो, लेकिन अपनी जन्मदाता मां की सदैव स्मृति बनाए रखने वाले संतोषनगर प्रभाग क्र. 88 के पूर्व नगरसेवक एवं शिवसेना के भूतपूर्व कल्याण पूर्व शहर प्रमुख महेश दशरथ गायकवाड़ ने उनकी मां, स्वर्गीय गुंजाई दशरथ गायकवाड़ की 25वीं पुण्यतिथि पर माताओं और बहनों को अन्न-धान्य वितरित कर अपनी 'मां' को श्रद्धांजलि अर्पित की।

बाल्यकाल में ही मां से वंचित हो चुके महेश दशरथ गायकवाड़ ने अपनी मां की स्मृति को स्थायी रूप से संजोए रखने के लिए, वर्ष 2015 में संतोषनगर प्रभाग के प्रवेश द्वार पर 'मातोश्री गुंजाई दशरथ गायकवाड़ प्रवेशद्वार' नामक भव्य द्वार का निर्माण कराया। इसके साथ ही, अपने कार्यालय के सामने स्थित पुणे लिंक रोड के चौक को 'मातोश्री गुंजाई चौक' नाम देकर, वहां अपनी मां की स्मृति में एक पूणार्कृति प्रतिमा स्थापित की, जिसमें एक मां अपने बच्चे को ममता से आकाश की ओर उठाते हुए दर्शाई गई है। यह प्रतिमा आज पुणे लिंक रोड के लिए एक प्रमुख लैंडमार्क बन चुकी है।

अपनी मां की स्मृति में, उन्होंने अपने जनसंपर्क कार्यालय में अन्न-धान्य का वितरण किया और कार्यालय से सटे साई बाबा मंदिर के सामने जरूरतमंदों को अन्नदान कर अपनी मां के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर सभी उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर मातोश्री गुंजाई को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान प्रशांत बोटे, निलेश रसाल, कृष्णा पाटिल, शंकर पाटिल, शिवदास गायकवाड़ सहित महेश गायकवाड़ की निष्ठावान महिला कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

युवा उद्योगपति वरुण चौबे का हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया जन्मदिन

पालघर(उत्तरशक्ति)। प्रसिद्ध सामाजिक संगठन विप्र फाउंडेशन बोईसर प्रमुख ब्राह्मदेव चौबे के सुपुत्र एवं युवा उद्योगपति वरुण चौबे का जन्मदिन बुधवार 2 अप्रैल 2025 को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। उक्त कार्यक्रम तारापुर एमआईडीसी क्षेत्र अंतर्गत स्थित गैस उद्योग डब्ल्यू/12 स्थित कार्यालय में आयोजित किया गया। इस मौके पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों एवं शुभचिंतकों ने केक काटकर जन्मदिन का जश्न मनाया। इस अवसर पर उपस्थित सभी अतिथियों ने वरुण चौबे को लंबी उम्र एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। जो लोग किसी कारणवश उपस्थित नहीं हो सके, उन्होंने मोबाइल, व्हाट्सएप और फोन कॉल के माध्यम से अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। वहीं विप्र फाउंडेशन बोईसर प्रमुख ब्रह्मदेव चौबे व युवा उद्योजक वरुण चौबे ने सभी शुभचिंतकों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में उद्योगपति रविकांत पांडेय, समाजसेवी बृजेश पांडेय, अखिलेश पांडेय, श्रवण मिश्रा, कुलदीप मिश्रा, रामप्रसाद पाण्डेय, विवेक चौबे, सोनू पाण्डेय, वरुण मिश्रा सहित विप्र फाउंडेशन के सम्मानित पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे। सभी ने अपनी बहुमूल्य उपस्थिति दर्ज कराकर वरुण चौबे को जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। समाजसेवकों व गणमान्य व्यक्तियों सहित अनेक लोगों ने वरुण चौबे को उनके जन्मदिवस की बधाइयां देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

स्कोडा ऑटो फोक्सवैगन इंडिया बनीं टॉप एक्सपोर्टर

मुंबई (उत्तरशक्ति)। स्कोडा ऑटो फोक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसएवीडब्ल्यूआईपीएल) को मुंबई पोर्ट अथॉरिटी द्वारा टॉप एक्सपोर्टर 2023-2024 के रूप में सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार भारत के निर्यात परिदृश्य में एसएवीडब्ल्यूआईपीएल के उल्लेखनीय योगदान और पिछले 20 वर्षों से मेड-इन-इंडिया कारों को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने की इसकी अग्रणी विरासत को मान्यता देता है। भारत सरकार की मेक इन इंडिया पहल के अनुरूप, एसएवीडब्ल्यूआईपीएल ने भारत को एक प्रमुख ऑटोमोबाइल एक्सपोर्ट हब बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।अब तक ग्रुप ने 6,75,000 से अधिक वाहनों का निर्यात किया है, जो इसकी इंजीनियरिंग और मैन्युफैक्चरिंग उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है। वर्ष 2023 में, ग्रुप ने 38% साल-दर-साल वृद्धि दर्ज की, जिसमें एक्सपोर्ट कुल उत्पादन का 30% था। इसके बाद, 2024 में 20% की सालाना वृद्धि दर्ज हुई, जहां स्थानीय रूप से निर्मित वाहनों का एक्सपोर्ट 40% रहा। वित्तीय वर्ष 2023-24 में एसएवीडब्ल्य ूआईपीएल ने 43,000 से अधिक स्थानीय रूप से निर्मित कारों का निर्यात किया, जो एशिया, अफ्रीका और उत्तर अमेरिका के 26 से अधिक देशों में भेजी गईं।

फोक्सवैगन वेंटो और पोलो जैसी आइकॉनिक कारों से लेकर फोक्सवैगन वर्टस, फोक्सवैगन टाइगुन और स्कोडा कुशाक जैसी नई पीढ़ी की कारों तक एसएवीडब्ल्यूआईपीएल की मेड-इन-इंडिया कारें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार पहचान हासिल कर रही हैं। इससे न केवल कंपनी की वैश्विक उपस्थिति मजबूत हुई है, बल्कि ग्रुप की वैश्विक रणनीति में भारत की अहमियत भी बढ़ी है। स्कोडा ऑटो फोक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ पीयूष अरोड़ा ने बताया कि ₹हमें यह पुरस्कार प्राप्त करके सम्मानित महसूस हो रहा है।

हर्षदीप हॉर्टिको लिमिटेड को मिले बड़े ऑर्डर

मुंबई। हॉर्टिकल्चर प्रोडक्ट्स के लीडिंग मैन्युफैक्चरर हर्षदीप हॉर्टिको लिमिटेड, ने लार्सन एंड टुब्रो (एल एंड टी) और नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (अडानी ग्रुप) से दो महत्वपूर्ण ऑर्डर प्राप्त किए हैं। ये ऑर्डर आगामी नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए फ्लावर पॉट्स की सप्लाई के लिए दिए गए हैं। इन ऑर्डर्स का कुल मूल्य 1.39 करोड़ रुपये है, जिसमें एल एंड टी का ऑर्डर 43.50 लाख रुपये और अडानी ग्रुप का ऑर्डर 96.45 लाख रुपये का है। इन ऑर्डर्स की डिलीवरी 30 जून 2025 तक पूरी होनी है।हर्षदीप हॉर्टिको लिमिटेड के डायरेक्टर, हर्षित शाह ने कहा, ₹हमें नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए ये महत्वपूर्ण ऑर्डर प्राप्त कर-के बेहद खुशी हो रही है। एल एंड टी और अडानी ग्रुप जैसे प्रतिष्ठित ग्राहकों के साथ हमारे लंबे समय से चले आ रहे संबंध हमारे प्रोडक्ट्स की क्वालिटी, इनोवेशन और रिलायबिलिटी को दशार्ते हैं। हम नई तकनीकों के माध्यम से इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह उपलब्धि कंपनी द्वारा पिछले वर्ष प्राप्त किए गए 86.6 लाख रुपये के ऑर्डर्स के बाद आई है, जिसमें मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (64.90 लाख रुपये) और मेंगलुरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट (21.7 लाख रुपये) के लिए कस्टमाइज्ड प्लांटर्स की सप्लाई शामिल थी।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

खेतासराय पुलिस टीम ने पीस कमेटी सदस्यों के साथ किया फ्लैग मार्च

◆ शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले में कानून-व्यवस्था बनाएं रखने के लिए पुलिस अलर्ट मोड में

आ गई है। इसी क्रम में खेतासराय पुलिस टीम ने गुरुवार को पीस कमेटी के सदस्यों के साथ नगर में फ्लैग मार्च किया। फ्लैग मार्च नगर के चौराहा से मुख्य मार्ग, पुरानी बाजार रोड होते चौराहे पर आकर सम्पन्न हो गया तथा क्षेत्र के मानीकलां, जमदहां, जैगहा, समेत अन्य इलाकों में फ्लैग मार्च किया। इस दौरान पुलिस ने आम जनता से शांति और सौहार्द्र बनाए रखने की अपील की। उन्होंने लोगों से किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न देने और क्षेत्र में अमन-चैन बनाए रखने का आग्रह किया। थानाध्यक्ष रामाश्रय राय ने बताया कि पुलिस पूरी तरह सतर्क है और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत प्रशासन को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। पीस कमेटी के सदस्यों ने भी नगरवासियों से आपसी भाईचारा बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि किसी भी संवेदनशील मुद्दे पर शांति बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस बल के साथ-साथ नगर के गणमान्य नागरिक, व्यापारी और समाजसेवी भी मौजूद रहे। प्रशासन ने भरोसा दिलाया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पुलिस पूरी तरह तैयार है। इस अवसर पर नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय विश्वकर्मा, रूपेश गुप्ता मोनू, जगदम्बा प्रसाद पाण्डेय, सभासद मो0 सलीम, सतीश यादव, मो0 असलम खान, अमित सोनकर आदि मौजूद रहे।

भागवत कथा के तीसरे दिन ध्रुव व विदुर चरित्र का प्रसंग सुन भावविभोर हुए श्रोता

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नवरात्र को लेकर हंसडीहा स्थित पगवारा दुर्गा मंदिर परिषद में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन को कथावाचक पंडित श्री दुर्गविजय मिश्र जी ने ध्रुव व विदुर चरित्र की

कथा का प्रसंग सुनाया। कथावाचक ने कहा कि अगर ध्रुव पांच साल की उम्र में भगवान को पा सकता है, तो फिर हम कैसे पिछड़ सकते हैं। अगर सच्चे मन से भगवान की भक्ति की जाए, तो भगवान खुद अपने भक्तों से मिलने पहुंच जाते है। कथा के दौरान झांकियों भी सजाई गई। वहीं विदुर प्रसंग में भगवान श्रीकृष्ण के प्रेम की व्याकुलता के बारे में उन्होंने विस्तार से बताते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण विदुरजी की कुटिया में भोजन करने गए और वहां केले के छिलकों का भोग स्वीकारा। इससे पहले वे दुर्योधन के महल में छप्पन भोग का त्याग कर आए थे। भगवान तो प्रेम के भूखे होते हैं और विदुर-विदुरानी ने भगवान को प्रेम से भोजन करवाया तो उन्होंने केले के छिलके भी प्रेम से खा लिए। कथा के दौरान कथावाचिका ने श्रद्धालुओं के समक्ष सृष्टि वर्णन के प्रसंग को भी विस्तार से सुनाया।

छात्राओं से विद्यालय में लगवाया जा रहा झाड़ू

कचरा उठाने और सफाई करने का वीडियो हुआ वायरल

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। एक तरफ जहाँ परिषदीय विद्यालयों में अच्छी शिक्षा के लिए और छात्र छात्राओं की संख्या बल के लिए सरकार प्रोत्साहित कर रही है वहीं इन बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है विद्यालय में कूड़ा उठवाया जा रहा है और सफाई कराई जा रही है। यह प्रसारित वीडियो प्राथमिक विद्यालय बिसवाँ गांव का है जहाँ अध्यापक द्वारा बच्चों से कचरा उठवाया जा रहा है साथ ही सफाई कराई जा रही है। सवाल यह उठता है कि क्या इस स्कूल में कोई साफ सफाई के लिए नहीं है जिनके हाथ में कलम और कागज होना चाहिए उन नौनिहालों से विद्यालय में सफाई कराई जा रही है। अभिभावक भी कुछ कहने में अक्षम साबित हो रहे हैं उन्हें डर है कि कहीं बच्चों से सौतेला व्यवहार न हो। फिलहाल इस पर उच्चाधिकारी कब संज्ञान में लेंगे यह भविष्य के गर्भ में है। हालांकि वायरल वीडियो का उत्तरशक्ति पुष्टि नहीं करता है।

जफराबाद पुलिस ने पैसे के लेन देने में विवाद करने वाले 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक के द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी व शान्ति व्यवस्था बनाए रखने हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के दिशा-निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक जफराबाद के कुशल नेतृत्व में उ0नि0 धनुषधारी पाण्डेय मय हमराह हे0का0अमित कुमार व का0कृष्ण कुमार सिंह के ग्राम भुवालपट्टी में अपने मां बाप को मारने पीटने ,गाली गलौज करने व जान से मारने की धमकी देने वाले पुत्र को मु0अ0सं0 58/25 धारा 115(2)/351(3)बीएनएस थाना जफराबाद जनपद पंजीकृत कर त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी आशुतोष कुमार मौर्य पुत्र ओम प्रकाश मौर्य नि0 भुवालपट्टी थाना जफराबाद जौनपुर को अन्तर्गत धारा 170 बीएनएसएस में गिरफ्तार किया गया। तत्पश्चात बाला बाला ग्राम कजगांव बाजार में पैसे के लेन देन के विवाद को लेकर आमादा फसाद पर उतारू होने वाले 02 नफर आरोपीगण 1. बंशराज सोनी पुत्र विश्वनाथ सोनी नि0 कजगांव थाना जफराबाद जौनपुर 2. जवाहिर सेठ पुत्र रामप्रसाद सेठ नि0 कजगांव थाना जफराबाद जौनपुर को शान्ति भंग के दृष्टिगत अन्तर्गत धारा 170 बीएनएसएस मे गिरफ्तार कर चालान धारा 170/126/135 बीएनएस में न्यायालय किया गया।

गरीब बच्चों के बीच चेयरमैन ज्योति कृष्णा जायसवाल ने काटा केक, मनाया पति का जन्मदिन

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत केराकत की चेयरमैन ज्योति कृष्णा जायसवाल के पति प्रतिनिधि युवा नेता कृष्णा जायसवाल उर्फ गोलू नें

केराकत नगर के मोहल्ला शेखजादा प्रथम में स्थित कन्या पाठशाला स्कूल में 03 अप्रैल दिन गुरुवार को नन्हें मुन्ने गरीब बच्चों के बीच अपना जन्मदिन बड़े धूमधाम के साथ मनाकर एक मिशाल कायम किया है। इस अवसर नगर पंचायत केराकत की चेयरमैन ज्योति कृष्णा जायसवाल ने केक काटकर और पति प्रतिनिधि युवा नेता कृष्णा जायसवाल उर्फ गोलू को खिलाकर आशिर्वाद प्राप्त किया। चेयरमैन पति ने भी चेयरमैन पत्नी ज्योति कृष्णा जायसवाल को केक खिला कर आशिर्वाद लिया। इस शुभ अवसर पर विद्यालय के स्टाफ गण एवं उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल केराकत संरक्षक अलाबक्श खॉन उर्फ राजन खॉन, व्यापार मण्डल नगर अध्यक्ष कृष्ण चंद्र उपाध्याय राजू, शेखजादा प्रथम वार्ड के तेज तर्रार यूवा नेता एवं पूर्व व्यापार मण्डल केराकत नगर अध्यक्ष एवं निवर्तमान सभासद मनोज जायसवाल, सभासद फिरोज खॉन,विनोद यादव मास्टर सिहौली, किशन गुप्ता, सुमेश सोनकर, दीपक नेहवाल, पंकज यादव, रामू यादव, इरफान सहित तमाम लोग मौजूद रहे। इस शुभ अवसर पर पूर्व व्यापार मण्डल केराकत नगर अध्यक्ष एवं निवर्तमान सभासद यूवा नेता मनोज जायसवाल ने कहा कि मैं धन्यवाद देता हूं चेयरमैन ज्योति कृष्णा जायसवाल साहेबा को एवं उनके पति प्रतिनिधि उजार्वान तेज तर्रार युवा नेता कृष्णा जायसवाल उर्फ गोलू जी को कि आपलोगों नें केराकत नगर में जिस तरह से तेजी के साथ बिना भेद भाव के विभिन्न वार्डों में विकास कार्य कराए जा रहे हैं आप दोनों लोग बधाई के पात्र हैं।

सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक को दी गई विदाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय कंपोजिट विद्यालय तारगहना के प्रधानाध्यापक राजबहादुर को शिक्षकों ने गुरुवार को उर्दू प्राथमिक विद्यालय जमदाहा में भावभीनी विदाई दी। इस दौरान बीडीओ बसंत कुमार शुक्ला ने शाहगंज ब्लाक के समस्त एमआरपी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। उन्होंने सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक के योगदान की सराहना की। कहा कि शिक्षक कभी रिटायर नहीं होता। सिर्फ अपने काम से रिटायर होता है। संचालन सुभाषचंद्र तिवारी ने किया। इस मौके पर पूर्व बीईओ राजीव कुमार यादव, जितेंद्र कुमार गुप्ता, दीपचंद यादव, नागेश्वर यादव, अमरजीत सोनकर, श्रीमोद यादव, जयराम यादव, अबुल कैश, मैं.खालिद ग्राम प्रधान मो0 इसराइल आदि लोग उपस्थित रहे।

विधायक के हस्तक्षेप से देसी दारु के ठेके का विरोध कर रही महिलाओं का धरना समाप्त

डॉ.एस.के.मिश्र, वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के रामनगर के मछरहट्टा वार्ड के कवि टोला मे रोड पर देसी दारु की दुकान खुलने से वहाँ के आसपास की महिलाओं ने कई दिन से धरना देना शुरू कर दिया था। उनका कहना था बगल मे प्राथमिक विद्यालय है और आसपास महिलाऐं, लड़कियों को इससे दिक्कत होगी । जब इस बात की खबर सौरभ श्रीवतास्तव को लगी तो उन्होंने स्वयं धरनारत महिलाओं से बात किया और उन्हें आश्वस्त किया कि यहाँ पर दारु का ठेका नहीं खुलेगा। महिलाओं ने विधायक सौरभ सेबात कर अपना धरना समाप्त किया और उनका आभार व्यक्त किया। धरना देने वालों मे प्रमुख रूप से सुमन देवी, मीरा देवी, हीरामणि देवी, चंद्रकला देवी, सुषमा देवी, शांति देवी, रेखा देवी, आशा देवी, शारदा, प्रिया, एकता, दुर्गा, प्रमुख थी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में हुई जिला शांति समिति की बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक डॉ0 कौस्तुभ की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला शांति समिति की बैठक संपन्न हुई ।बैठक में जिलाधिकारी ने शांति समिति के सदस्यों से चैत्र नवरात्रि, रामनवमी, भारत रत्न बाबा साहब अम्बेडकर जयंती सहित अन्य आगामी त्योहारो को शांतिपूर्ण तरीके से मनाये जाने को लेकर प्रशासन का सहयोग करने की अपील की जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि त्यौहारों के दौरान विद्युत, पेयजल, साफ-सफाई आदि की समस्या नहीं आनी चाहिए। अधीक्षण अभिंयता विद्युत को लटके हुए विद्युत तारों को ठीक कराने, विद्युत आपूर्ति आदि के संबंध में निर्देश दिये ।शोभा यात्रा के दौरान निकलने वाले जुलूस के संबंध में जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि डीजे की आवाज तथा ऊंचाई मानक के अनुरूप होनी चाहिए। शोभा यात्रा के दौरान शस्त्र प्रदर्शन नहीं होना चाहिए।

समस्त नगर पालिका/नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि 5 अप्रैल से 6 अप्रैल के मध्य विभिन्न प्रतिष्ठित मंदिरों, राम मंदिरों, भव्य पीठों में स्थानीय कलाकारों द्वारा भजन कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा जिसके लिए मन्दिर परिसर और आस पास में साफ, सफाई कराना सुनिश्चित करे। उन्होने ग्रामीण क्षेत्र के मन्दिरों में सफाई के लिए डीपीआरओ को निर्देशित किया। शोभा यात्रा निकलने वाले सभी मार्गा पर साफ-सफाई के साथ फागिंग कराने के भी निर्देश दिए ।पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस विभाग के तरफ से सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। सोशल मीडिया पर विशेष नजर रखी जायेगी और त्यौहारों को शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह से चाक-चौबंद रहेगी। अराजक तत्वों पर कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी ।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षय वर चौहान, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ठ, अपर पुलिस अधीक्षक शहर आयूष श्रीवास्तव, नगर मजिस्ट्रेट इन्द नन्दन सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 लक्ष्मी सिहं सहित शांति समिति के सदस्य गण उपस्थित रहे।

महिला श्रद्धालुओं ने मनाया नवरात्रि उत्सव, झांकियों ने मोहा मन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर शक्तिपीठ मां काली जी के मंदिर में नवरात्रि के पांचवें दिन गुरुवार को सर्ववैश्य समाज की

महिला मंडल टीम द्वारा माता की चौकी, भजन कीर्तन एवं मनमोहक झांकी की प्रस्तुति किया गया। इससे पूर्व मां दुर्गा, सरस्वती वंदना व हनुमान जी की स्तुति का सामूहिक उच्चारण से किया।भजन कीर्तन की शुरूआत सुमन जायसवाल, वर्षा केसरी,पूजा ऊमरवैश्य,सत्यभामा ऊमरवैश्य व कोमल केशरी ने माता रानी के दरबार में ज्योति जलाकर व गणेश वंदना से हुई। माता के दरबार में दीप जलाकर अपने अंदर की बुराइयों को त्यागने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मां दुर्गा की झांकी आकर्षण का केंद्र रहा।

अंशु कसौधन, वर्षा केसरी, कोमल केसरी, नीलू अग्रवाल, प्रीति गुप्ता, प्रिया ऊमरवैश्य,बीना ऊमरवैश्य व मनीषा द्वारा जग कल्याणी है मेरी अंबे मैया,जम्मू से आई मैया,पल्लो लटके मैय्या के झूम झूम नाचे भक्त हनुमाना...हो दुनिया में देव हजारो है बजरंगबली का क्या कहना आदि गीतों ने भक्तिमय माहौल बनाया। मां मुरादे पूरी करदे हलवा बाटूंगी..के जीत पर महिला श्रद्धालुओं द्वारा मंदिर परिसर में ही नृत्य भी किया गया। कल्पना केसरवानी, सुचिता ऊमरवैश्य, आशा जायसवाल, चित्रा ऊमरवैश्य, सुजाता साहू व रीता गुप्ता आदि ने माता के रूप में सजे अन्यया केसरी मां दुर्गा व प्रसंग हनुमान जी की झांकी की आरती उतारकर आशीर्वाद लिया। आरती पूजन के उपरांत प्रसाद का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर सुमन जायसवाल, आरुही, मीनाक्षी गुप्ता, नंदिनी केसरी, पूजा ऊमरवैश्य, स्मिता गुप्ता, कल्पना केसरवानी, आशा, रीता गुप्ता, चंद गुप्ता, अर्चना गुप्ता, आर्या साहू, सत्यभामा ऊमरवैश्य, प्रीति गुप्ता, मुस्कान कसौधन, प्रिया ऊमरवैश्य, राजकुमारी मोदनवाल, संगीता केसरी, नंदिता, कोमल व सुजाता आदि उपस्थित रहीं।

बसंती देवी आईटीआई में टैबलेट का हुआ वितरण, छात्रों के चेहरे खिले

विशाल सोनी, शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के पक्का पोखरा रेलवे क्रासिंग स्थित बसंती देवी आईटीआई में गुरुवार को सरकार की महत्वाकांक्षी योजना स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत 63 छात्रों को टैबलेट वितरित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ.उमेश चंद्र तिवारी गुरुजी के द्वारा टैबलेट वितरित किया गया। तिवारी ने अपने उद्बोधन में शिक्षा में तकनीक के महत्व पर विस्तार से बताया।विशिष्ट अतिथि भाजपा नगर मंडल शाहगंज के महामंत्री देवी प्रसाद चौरसिया मंटू ने भी अपने उद्बोधन में छात्रों को आशीर्वाद दिया। विशिष्ट अतिथि एवं पूर्व भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष मनोज कुमार पांडे ने आज के परिवेश में टैबलेट,मोबाइल आदि के अच्छे व बुरे परिणाम पर चर्चा की। संस्थान के प्रबंधक डॉ राजकुमार मिश्र ने अतिथियों का स्वागत किया और अपने उद्बोधन में छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। संस्थान के कोषाध्यक्ष और अंत में संस्थान के निदेशक दिवाकर मिश्र ने स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी और समस्त आगंतुकों को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विवेक तिवारी, दीपक सिंह आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विकास जायसवाल ने किया।कार्यक्रम में संस्थान के बड़े बाबू इशनारायण मिश्र, सुनील तिवारी, राजेश यादव, सुरेंद्र प्रजापति, अजीम खान रतन भंडारी आदि मौजूद रहे।

बीएचयू केंद्रीय विद्यालय में एडमिशन की प्रक्रिया प्रारम्भ, कक्षा 9 में प्रवेश के लिए आवेदन शुरू

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के बीएचयू स्थित केंद्रीय विद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र के लिए कक्षा 9 में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। हालांकि, इस वर्ष केवल 17 सीटें ही उपलब्ध हैं। योग्यता परीक्षा पास करने वाले छात्रों को ही प्रवेश दिया जाएगा ।विद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कक्षा 2 से कक्षा 8 तक दोनों पालियों में कोई भी सीट रिक्त नहीं है। इसलिए इन कक्षाओं में कोई नया प्रवेश नहीं लिया जाएगा ।प्रधानाचार्य ने बताया कि विद्यालय में सभी कक्षाएं पहले से भरी हुई हैं ।लेकिन कक्षा 9 में 17 सीटें खाली होने के कारण प्रवेश प्रक्रिया शुरू की गई है। प्रवेश के लिए ऑफलाइन आवेदन स्वीकार किए जा रहे हैं। इच्छुक अभिभावक विद्यालय के कार्यालय से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं और इसे 11 अप्रैल तक जमा कर सकते हैं। चयन प्रक्रिया के तहत स्कूल स्तर पर योग्यता परीक्षा आयोजित की जाएगी, और केवल परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों को ही प्रवेश मिलेगा। अधिक जानकारी के लिए अभिभावक केंद्रीय विद्यालय बीएचयू कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

लायंस क्लब रॉयल ने मनाया चार्टर डे, भारतीय नववर्ष का किया अभिनंदन

अभिताश गुप्ता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लायंस क्लब जौनपुर रॉयल द्वारा चार्टर डे एवं भारतीय नववर्ष विक्रम संवत 2082 के स्वागत अभिनन्दन के कार्यक्रम का आयोजन नगर के एक होटल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ चार्टर अध्यक्ष अजय गुप्ता एवं अध्यक्ष मधुसूदन बैंकर व सभी पदाधिकारीयों व सदस्यों द्वारा चार्टर को फूलों से सुसज्जित कर व भारतीय संस्कृति के अनुसार दीप प्रज्वलन पश्चात केक काटकर किया गया। कार्यक्रम में सभी चार्टर सदस्यों को तिलक लगाने के उपरांत गुलाब का पुष्प देकर व उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया ।साथ ही अन्य सदस्यों को भी उपहार भेंट कर उनका मनोबल बढ़ाया गया !अध्यक्ष मधुसूदन बैंकर ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि ढ़ाई वर्ष पूर्व हमारे चार्टर सदस्यों ने जिस उम्मीद के साथ लायंस क्लब जौनपुर रॉयल की स्थापना की थी ।हम सभी अपने सेवा कार्यों के द्वारा उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास कर रहे हैं। आज अपना क्लब जनपद में ही नहीं बल्कि पूरे मंडल में अपने सेवा के माध्यम से ख्याति अर्जित कर रहा है इस विशेष अवसर पर हम अपने सभी सदस्यों के समर्पण और सेवा भावना को सलाम करते हैं जिनके प्रयासों से हमने समुदाय में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प लिया है ! चार्टर अध्यक्ष अजय गुप्ता ने क्लब की स्थापना के अपने स्मरणों को साझा करते हुए सभी को चार्टर डे एवं हिन्दी नववर्ष की बधाई देते हुए कहा यह दिन हमारे चार्टर के स्थापना के गौरवशाली क्षण को चिन्हित करता है जब हमने समाजसेवा और मानवता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया। कार्यक्रम संयोजक राजेश अग्रहरि ने कहा कि सभी चार्टर सदस्य मजबूत स्तंभ के रूप में पूरे जोश और ऊर्जा के साथ एकता,सेवा और उत्कृष्टता के इस सफर को आगे बढ़ायेगें कार्यक्रम को आगामी अध्यक्ष संजीव साहू, वरिष्ठ लायन एक्स सी एन संतोष मिश्रा ने भी संबोधित करते हुए सभी को बधाई दिया। सचिव अजय सोनकर ने पूरे कार्यक्रम को सुंदर स्वरूप देते हुए सभी को नये वर्ष व चार्टर डे की बधाई दी कार्यक्रम का सुन्दर संचालन उपाध्यक्ष द्वितीय अभिताष गुप्ता ने व धन्यवाद व आभार कार्यक्रम संयोजक रवि शर्मा ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष राजेश किशोर श्रीवास्तव, राजकुमार कश्यप, विनोद अग्रहरि, आशीष गुप्ता, अभिषेक जायसवाल,यश बैंकर, बालकृष्ण साहू, नवीन साहू, अजय मोदनवाल, राजेन्द्र स्वर्णकार, राज केशरी, अमित गुप्ता, ऋषि श्रीवास्तव, प्रदीप प्रधान, इशांक गुप्ता, रवि गुप्ता, विवेक गुप्ता आदि प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे।

अवैध रूप से संचालित ई-रिक्शा के विरुद्ध अभियान में 19 का चालान

12 वाहनों को थानों में किया गया बन्द, अन्य 78 ई-रिक्शा चालकों को दी गई चेतावनी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अवैध रूप से संचालित ई-रिक्शा वाहनों के विरूद्ध 01 अप्रैल 2025 से 30 अप्रैल 2025 तक परिवहन विभाग एवं पुलिस विभाग के द्वारा संयुक्त अभियान चलाकर कार्यवाही किये जाने के निर्देश के अनुपालन में 03 अप्रैल को जनपद जौनपुर में अवैध, अनधिकृत, बिना वैध प्रपत्र संचालन, अवयस्कों द्वारा संचालन आदि अभियोगों के प्रति परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से प्रवर्तन कार्यवाही संपादित की गयी ।जनपद में सिपाह चौराहा, लाइन बाजार, शाही किला एवं ओलंदगंज आदि स्थानों पर प्रवर्तन कार्यवाही की गयी। अभियान के अंतर्गत सायं 06 बजे तक 19 वाहनों का चालान किया गया एवं 12 वाहनों को थानों में बन्द किया गया एवं अन्य 78 ई-रिक्शा चालकों चेतावनी दी गयी। अवैध एवं अनधिकृत ई-रिक्शा एवं ऑटो रिक्शा के प्रति अभियानात्मक कार्यवाही जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के निर्देशन पर सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) जौनपुर के नेतृत्व में यातायात निरीक्षक के साथ प्रवर्तन कार्यवाही किया गया। प्रवर्तन कार्यवाही में प्रमोद कुमार, यात्री/मालकर अधिकारी जौनपुर, सुशील मिश्रा, यातायात निरीक्षक एवं सुनील कुमार तिवारी, सहायक यातायात निरीक्षक एवं परिवहन विभाग तथा यातायात पुलिस के अन्य कार्मिक शामिल थे। ई-रिक्शा/ऑटो रिक्शा चालकों से अपील है कि वे वाहन के समस्त प्रपत्रों को अद्यतन करा लें। वाहन स्वामी किसी भी स्थिति में अवयस्कों को ई-रिक्शा एवं ऑटो रिक्शा चलाने की अनुमति न दें।

लोहे का तार टूटने से बाल बाल बचे राहगीर

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के आदमपुर थानान्तर्गत तेलियाना स्थित जीटी रोड पर बिजली विभाग के ठेकेदार द्वारा हाईड्रा मशीन यूपी 61बीटी 4632 से अंडरग्राउंड केबल जमीन के अंदर से खिचा जा रहा था। अचानक लोहे का तार टुटने के बाद तेज चिंगारी के साथ छिटा के एक वाईक में जा लगा। वाईक छतीग्रत हो गया। संयोग अच्छा था कई राह गिर बाल बाल बचे। ठेकेदार के कर्मचारी बगैर सूरक्षा को ध्यान में रख कार्य को कराया जा रहा है किसी दिन बड़ी घटना घट सकता है। जबकि उत्तर प्रदेश सरकार का आदेश है कि जनता के सूरक्षा को ध्यान में रख कार्य को कराया जाये। लेकिन ठेकेदार अपनी जेब भरने के लिए जनता को असुविधा हो इन साहब से कोई सारो का नहीं।

कवि सुरेश मिश्र के बड़े भाई पंडित गुरु प्रसाद मिश्र का निधन

मुंबई। हास्य कवि सुरेश मिश्र के बड़े भाई,पूर्व प्रधानाध्यापक व समाजसेवी पं. गुरु प्रसाद मिश्र का 30 मार्च, 2025 को उनके गृहनगर व जन्मभूमि ग्राम धनऊपुर,पोस्ट बीरापुर,जिला प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश में संक्षिप्त बीमारी के बाद 76 वर्ष की उम्र में निधन हो गया । गुरु प्रसाद मिश्र अपने तीन भाइयों में सबसे बड़े थे।वह अपने पीछे भजन गायक राजेश मिश्र (नन्हे) एक बेटी,दो पोते,एक पोती सहित भरा-पूरा परिवार छोड़कर गए हैं। नौ मार्च 2025 को शुद्ध और 13 मार्च को तेरहवीं का कार्यक्रम संपन्न होगा। उनके निधन पर मिथिलेश मिश्र, प्रमोद उपाध्याय, पत्रकार शिवपूजन पांडेय, रमेश मिश्र, संतोष तिवारी, जालेंद्र प्रताप सिंह, कृपाशंकर मिश्र, सहित समाज के तमाम प्रतिष्ठित लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित किया है।

वक्फ संशोधन बिल पारित होने पर पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने प्रकट की प्रसन्नता

कहा मुस्लिम बांधवों के हित में है बिल

जनसेवक गोपाल शेट्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को दिया धन्यवाद

बोरीवली, मुंबई। लोकसभा में 'वक्फ संशोधन बिल' पारित होने पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने इसका स्वागत किया है और इस सफलता के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का आभार मानते हुए उन्हें बधाई दी है। बता दें कि कुल 12 घंटों की चर्चा और 288-232 की वोटिंग के उपरांत यह बिल पास हुआ है। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने बिल पास होने के उपरान्त मीडिया से बात करते हुए कहा कि वक्फ संशोधन बिल मुस्लिम बांधवों के हित का बिल है जो यक़ीनन उनको लाभ पहुँचाएगा। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने आगे कहा कि लोकसभा के बाद अब राज्यसभा में भी यह बिल अवश्य पारित होगा इसका मुझे पूर्ण विश्वास है।

भागशाला मैदान डोंबिवली में 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का हुआ शुभारंभ

ठाणे (उत्तरशक्ति)। जनपद के नजदीक शहर डोंबिवली (पश्चिम) भागशाला मैदान (स्टेशन से 5 मीनट दूरी पर) में आगामी शुक्रवार 4 अप्रैल 2025 से सोमवार 7 अप्रैल 2025 तक 108 कुंडी गायत्री महायज्ञ होने जा रहा है जिसका शुभारंभ भूमि पूजन से किया गया।आयोजन अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में डोंबिवली गायत्री परिवार की मुख्य ट्रस्टी श्रीमती संध्याताई डोंबिवलीकर,अनंत प्रसाद त्रिपाठी, आशीष कुमार सिंह,जयवंत झुंझारराव के संयोजन तथा शांतिकुंज हरिद्वार के आचार्यों की उपस्थिति में संपन्न होगा। गायत्री धाम प्रतापगढ़ के आचार्य राजेश पांडे एवं राष्ट्रीय कवि अनिल कुमार राही ने कवि एवं पत्रकार विनय शर्मा दीप को बताया कि उक्त आयोजन का शुभारंभ शुक्रवार 4 अप्रैल से होगा प्रथम दिन कलश शोभा यात्रा, शांतिकुंज गायत्री से प्रकाशित पुस्तक मेला, गरबा, आरती एवं प्रसाद,5 अप्रैल को देव पूजन एवं गायत्री महायज्ञ संस्कार, जनेऊ, संगीत प्रवचन आदि,6 अप्रैल को देव पूजन के साथ 11,11 1 दीप प्रज्वलन तथा अतिथि सम्मान तथा 7 अप्रैल को देव पूजन के साथ गायत्री महायज्ञ की पूर्णाहुति एवं प्रसाद का प्राविधान है। आयोजक समूह ने मुंबई, नवी मुंबई एवं ठाणे महानगर के नागरिकों एवं गायत्री परिवार से जुड़े सभी भाइयों, माताओं एवं बहनों को इस महायज्ञ में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

झोपड़ी में आग लगने से गैस सिलेंडर फटा, दो बच्चों की मौत

बदायूं (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में बृहस्पतिवार दोपहर एक झोपड़ी में गैस सिलेंडर फटने से दो बच्चों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जिनसिनगला गांव के बाहर स्थित जयपाल सिंह की झोपड़ी में आग लग गई। उनके मुताबिक,जब ग्रामीण आग पर बुझाने की कोशिश कर रहे थे, तभी झोपड़ी के अंदर रखा गैस सिलेंडर फट गया, जिससे आसपास का इलाका भी आग की चपेट में आ गया। अधिकारियों ने बताया कि झोपड़ी के बाहर खेल रहे दो बच्चे सुमित (पांच) और उसका ममेरा भाई दीपक (छह) आग की चपेट में आ गए और उनकी मौत हो गई।

साप्ताहिक कल्याण प्रजाराज का 30वां वर्धापन अंक का प्रकाशन करते हुए पू.भुपेन्दभाई पंड्या, आमदार विश्वनाथ भोईर, प्रेमजी गाला, विष्णु कुमार चौधरी, रवि चौधरी, सुलभा गायकवाड, प्रमोद हिंदुराव, दिपक पोपट, केतन पटेल और रमेश पटेल आदि।

पॉप कल्चर का सबसे बड़ा जश्न मुंबई कॉमिक कॉन, 12-13 अप्रैल को फिर से

मुंबई (उत्तरशक्ति)। देश में रोमांचक सीजन के बाद, कॉमिक कॉन इंडिया अपने सबसे बड़े और सबसे बहुप्रतीक्षित संस्करण– मारुति सुजुकी एरिना मुंबई कॉमिक कॉन 2025 के लिए पूरी तरह से तैयार है। जिसे फ्रेंचाइज द्वारा संचालित किया जा रहा है। यह भव्य आयोजन 12-13 अप्रैल को जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर, बी के सी में आयोजित किया जाएगा। इस साल के कॉमिक कॉन शो सीजन के ग्रैंड फिनाले के रूप में, मुंबई एक बेजोड़ पॉप कल्चर स्पेक्टेकल पेश करेगा, जिसमें अंतरराष्ट्रीय और भारतीय कॉमिक क्रिएटर्स, विशिष्ट अनुभव, रोमांचक परफॉर्मेंस, और कॉमिक्स, एनीमे व गेमिंग की एक रोमांचक दुनिया शामिल होगी। प्रवेश करते ही, आगंतुकों को इमेज कॉमिक्स द्वारा प्रकाशित रेडिएंट ब्लैक का पहला अंक, येन प्रेस का सोलो लेवलिंग पोस्टर और एक स्पेशल कॉमिक कॉन इंडिया बैग उपहारस्वरूप मिलेगा। वहीं, सुपरफैंस के लिए एक विशेष कलेक्टिबल पैक उपलब्ध होगा। जिसमें मार्वल डॉ. डूम का बस्ट, डेडपूल & वूल्वरिन थीम वाली टी-शर्ट और चाबी का गुच्छा, कॉमिक कॉन इंडिया पजल, हीरो वाली केप और कई अन्य रोमांचक गिफ्ट्स शामिल होंगे। जिन्हें डिज्नी लाइसेंसिंग के सहयोग से विशेष रूप से तैयार किया गया है। मुंबई कॉमिक कॉन प्रशंसकों को अपने पसंदीदा कॉमिक क्रिएटर्स से मिलने और बातचीत करने का बेहतरीन मौका देगा। इस कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण जिम जुब हैं, जो कॉनन द बारबेरियन के प्रशंसित लेखक हैं और मार्वल, डीसी, डिज्नी और कैपकॉम के लिए प्रमुख रचनाएं लिख चुके हैं, तथा रॉब डेनब्लेकर, जो विश्व स्तर पर पसंद की जाने वाली साइनाइड एंड हैप्पीनेस फ्रेंचाइज के सह-निमार्ता हैं। इनके साथ भारत के कुछ बेहतरीन कॉमिक बुक निमार्ता भी शामिल होंगे, जिनमें अभिजीत किनी स्टुडियो, इंडसवर्स, चैरियट कॉमिक्स, याली ड्रीम क्रिएशंस, गारबेज बिन, ग्राफिकारी, राजेश नागुलाकोंडा, बुल्सआई प्रेस, लिलोरोशा, आर्ट ऑफ सेवियो, कॉरपोरेट, हैप्पीफ्लफ, यू एंड वी वर्क्स, अर्बन टेल्स, बकरमाक्स, तदम ग्याइ, सौमिन पटेल और कई अन्य शामिल हैं। कॉमिक्स की दुनिया से आगे बढ़कर, मुंबई कॉमिक कॉन एक भव्य मनोरंजन उत्सव होगा, जो भारत की मनोरंजन राजधानी, मुंबई के लिए पूरी तरह से उपयुक्त है। स्टैंड-अप कॉमेडी से लेकर म्यूजिक और गेमिंग तक, यह शहर हमेशा से लाइव इवेंट्स और पॉप कल्चर अनुभवों के केंद्र में रहा है, जिससे यह बेहतरीन कलाकारों के लिए मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का आदर्श स्थान बन गया है।

फरक्का एक्सप्रेस के सामने बच्चों संग कूदी महिला, दो मासूमों की मौत

औरैया (उत्तरशक्ति)। मानसिक रूप से बीमार महिला ने दो मासूम बच्चों संग पाता रेलवे स्टेशन के पूर्वी यार्ड के पास फरक्का एक्सप्रेस के सामने छलांग लगा दी। जिससे दोनों मासूम बच्चों की मौत हो गई। जबकि महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला को मेडिकल कॉलेज चिचौली में भर्ती कराया गया। महिला बुधवार शाम घर से निकली थी। परिजन तलाश कर रहे थे। देर रात पहचान होने पर कटने की सूचना मिली। जिस पर उनके होश उड़ गए। दिबियापुर कस्बा के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के पीछे रहने वाले राघवेंद्र सिंह इलेक्ट्रानिक सामान के व्यापारी हैं। तीन बच्चों में बेटा आरुष (7), बेटी दिव्यांशी (4) और एक डेढ़ साल का बेटा लल्ला है। बुधवार की शाम राघवेंद्र की पत्नी नीतू कुशवाहा (29) दिव्यांशी और लल्ला के साथ घर से निकली और वापस नहीं आई। परिजन तलाश कर रहे थे। इस बीच महिला नीतू पाता स्टेशन के पूर्वी यार्ड के पास फरक्का एक्सप्रेस के सामने कूद गई। कॉशन लगा होने के कारण ट्रेन स्पीड में नहीं थी। इस कारण महिला गंभीर घायल हो गई। जबकि चार साल की दिव्यांशी और डेढ़ साल के लल्ला की मौत हो गई। पहचान होने पर परिजनों को सूचना दी गई। महिला को गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। इधर घर में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। घायल महिला के ससुर मान सिंह ने बताया कि नीतू साल भर से मानसिक बीमारी से ग्रसित चल रही है। शाम को अचानक वह दो बच्चों के संग घर से निकल गई। खोजबीन चल ही रही थी कि इसी बीच पाता समीप ट्रेन से कटने की सूचना मिली।

पुस्तक लोकार्पण, सम्मान समारोह और काव्य सम्मेलन संपन्न

मुंबई(उत्तरशक्ति)। नीलम पब्लिकेशन और साहित्यनामा पत्रिका के संयुक्त तत्वावधान में दिनेश वर्मा द्वारा आयोजित पुस्तक लोकार्पण, सम्मान समारोह और काव्य सम्मेलन का भव्य आयोजन 31 मार्च 2025 सोमवार को जोगेश्वरी स्थित राम मंदिर सभागार में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाराष्ट्र साहित्य अकादमी के कार्यकारी अध्यक्ष शीतला प्रसाद दुबे ने किया। कार्यक्रम का आरम्भ माँ शारदे की आराधना और दीप प्रज्वलन से आरम्भ हुआ। साहित्य और समाज के क्षेत्र में अपना अमूल्य योगदान देने वाली विभूतियों को प्रकाशन ने साहित्य गौरव, साहित्य शलाका और साहित्य सारथी सम्मान से सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन साहित्य अकादमी पुरस्कृत राम सिंह और डॉक्टर कृपाशंकर मिश्र ने किया। प्रकाशन ने डॉक्टर कृपाशंकर मिश्र की 'मुक्तक मनुहार', कुसुम तिवारी झल्ली की 'जीवन के इंद्रधनुष', श्रीमती आशा द्विवेदी की 'शिवाली , प्रवीण तरार की जख्म-ए - बेवफाई, श्रीमती रूपाली वशिष्ठ की भावनाओं के पंख और हिंदी के विविध आयाम शिव प्रसाद एच.कोहली की किताबों का विमोचन कार्य भी सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर साहित्यकार हरीश यादव, राधेश्याम द्विवेदी, सेवा सदन प्रसाद, विजय पाटील, शिवण्ण हदिमुर, प्रवीण तरार, आशुतोष द्विवेदी, रूपाली वशिष्ठ, ज्योतिषाचार्य आलोक मिश्रा आर. के. कालेज के संस्थापक आर. के. सर, डॉक्टर दिलीप पाल, डॉक्टर दिनेश वर्मा, चांदनी सिंगला, पत्रकार राजेश प्रसाद, नंदन मिश्र, प्रीति सोनी, अशोक तिवारी, गौरीशंकर चौबे, विनोद कुमार सिंह, सुनील पांडेय समाज सेवी यू.आई .यादव, चिकित्सक बी. जे. सिंह, समाजसेवी विनोद के. त्रिपाठी, रविन्द्र दूबे आदि को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन आयोजक दिनेश वर्मा के आभार प्रदर्शन और रात्रि भोज के साथ सम्पन्न हुआ।

एम.टी.अग्रवाल हास्पिटल के निजीकरण के विरोध में मुलुंड टी वार्ड पर विशाल मोर्चा

मुंबई(उत्तरशक्ति)। मुलुंड प. स्थित एम.टी.अग्रवाल मनपा हास्पिटल का पुनर्निमाण मुंबई मनपा द्वारा 300 करोड़ से भी अधिक खर्च कर 8वर्षों में बहुमंजिला बनवाया गया। परन्तु इमारत बनते ही उसके निजीकरण का प्रयास भाजपा सरकार के इशारे पर मुंबई मनपा प्रशासन द्वारा शुरु किये जाने के विरोध में महाविकास आघाडी(कांग्रेस,शिवसेना (उबाठा),राकांपा(शरदपवार)] द्वारा राकेश शेट्टी के नेतृत्व में विशाल मोर्चा निकाला गया। इस जनांदोलन में सामाजिक संस्थायें एवम एन.जी.ओ.,युवा ब्रिगेड एसोसिएशन,समता हाकर्स युनियन,कुणबी समाज विकास संघ,महानगरी मित्र मंडल सहित कई संस्थाओं के लोगों ने हिस्सा लेकर निजीकरण का विरोध किया। कांग्रेस नेता राकेश शेट्टी ने कहा है कि भाजपा की नीति "चंदा दो,धंधा लो हम मुलुंड में नहीं चलने देंगे। इस प्रदर्शन मोर्चा में कांग्रेस जिलाध्यक्ष अब्राहम राय मणी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ.बाबूलाल सिंह, डॉ.आर.आर.सिंह,संतोष सोनावणे, विट्ठल सातपुते, डा. सचिन सिंह, आदित्य गीते, अरविंद यादव, करुणानिधि, राजन उटवाल ,हेमकिरण जंगम ,नीता जोशी, संतोष सिंह, शरीफ खान, मैथ्यु चेरियन, राकांपा अध्यक्ष अमित पाटील, मंगेश पवार, पुष्पा साळ्वी, शिवसेना उबाठा के मुलुंड के सभी शाखा प्रमुख एवम नेता दिनेश जाधव, चंद्रकांत शेलार, दलवी, अनिल शिंदे, प्रमिला घाणेकर, विनायक घाणेकर उपस्थित रहे। शिष्टमंडल ने सहायक आयुक्त टी वार्ड को ज्ञापन देकर निजीकरण की किसी भी कार्यवाई का विरोध किया।और चेतावनी दी की यदि एक सप्ताह के भीतर जवाब नहीं मिला तो टी वार्ड के समक्ष आमरण अनशन शुरू किया जाएगा।

जनसुराज की ईमानदारी और विकास नीति से प्रभावित डॉक्टर पाठक कुम्हरार से ठोकेंगे दावा

पटना (उत्तरशक्ति)। इन दिनों कुम्हार तमाम समीकरण उलटफेर में लगे हैं प्रख्यात चिकित्सक डॉ उमाकांत पाठक। अगले विधान सभा चुनावों के मद्देनजर वो भी दो-दो हाथ करने को तैयार हैं और अन्य उम्मीदवारों पर भारी पड़ रहे है। वे पिछले दिनों प्रशांत किशोर की नीतियों से प्रभावित होकर जनसुराज में शामिल हो गए थे और टिकट के लिए प्रयासरत हैं। डॉक्टर पाठक पिछले 3 दशक से नूतन नर्सिंग होम के जरिये लोगों की 24 घंटे निस्वार्थ सेवा कर रहे हैं। उनके चाहने वाले हर जाति में हैं। इसलिए, जैसे ही उनकी उम्मीदवारी की बात सामने आई सभी वर्ग के लोग इन्हें समर्थन देने आगे आ रहे हैं। स्थानीय लोग बताते हैं कि कोविड के समय डॉक्टर साहब ने न वक्त देख न पैसा, लगभग 5000 लोगों की जान बचाई। सूत्रों के मुताबिक इस कार्य के लिए राज्यपाल से भी इन्हें सम्मान प्राप्त हुआ है। इनकी वजह से कई परिवारों में खुशियां लौटी। डॉ उमाकांत पाठक ने कहा कि जनसुराज को अपनी पसंद बताने का कारण उसकी ईमानदारी, साफगोई और प्रशांत किशोर की विकास की रणनीति बताया। उन्होंने कहा कि वे पार्टी की नीतियों से प्रभावित हैं। स्थानीय लोग बताते हैं कि डॉक्टर साहब इतने सामाजिक हैं कि दिन और रात नहीं देखते हैं कोई भी मरीज इमरजेंसी में उनके दरवाजे पर आ जाता है तो अविलंब उसका इलाज करते हैं। जहां तक फीस की बात है तो लोगों का कहना है कि उनके क्लीनिक में आने वाला व्यक्ति जेब से कितना भी कमजोर या मजबूत हो उससे डॉक्टर साहब को कोई मतलब नहीं रहता है, वे सिर्फ अपना काम बखूबी करते हैं और सामने वाला जो उनकी फीस की जगह जो भी राशि दे देता है उसे सहर्ष स्वीकार करते हैं। किसी को इनके अस्पताल में गहने बेचने या कर्ज लेने की जरूरत नहीं पड़ती है। डॉक्टर पाठक ने कुम्हरार विधान सभा से जनसुराज पार्टी से चुनाव लड़ने के लिए आवेदन दे दिया है। नूतन सर्ज होम के जरिए ये लोगों को 24 घंटे निस्वार्थ सेवा कर रहे हैं। डॉ साहब को चाहने वाले हर जति में हैं। इसलिए, जैसे हीं उनकी उम्मीदवारी की बात सामने आई सभी वर्ग के लोग इन्हें साथ देने को कंधा मिलाकर साथ देने को तैयार हैं। उन्होंने स्थानीय विधायक पर क्षेत्र की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान विधायक क्षेत्र में कभी आते जाते नहीं हैं। पिछले 7 साल से रोड कोड़ा हुआ है, नाली का पानी सड़कों पर है। वे कहते हैं चुनाव जीतने के बाद वे जनसेवा का काम करेंगे। फिलहाल उन्होंने जल्द ही निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाने की घोषणा की है।

प्राथमिक विद्यालय मुकुंदीपुर में वार्षिक परीक्षा फल वितरण

जौनपुर। जनपद जौनपुर के सिकरारा क्षेत्र के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय मुकुंदीपुर के विद्यालय प्रांगण में 2 अप्रैल दिन बुधवार को विद्यालय प्रबन्ध समिति की बैठक और वार्षिक परीक्षाफल वितरण का किया गया आयोजन। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भूतपूर्व न्यायाधीश विनोद कुमार मिश्र तथा विद्यालय प्रबन्ध समिति के सभी सम्मानित सदस्यों की उपस्थिति में बैठक का शुभारम्भ मुख्य अतिथि द्वारा सरस्वती पूजन के साथ किया गया। मुख्य अतिथि के सम्मान में विद्यालय परिवार के तरफ से अंगवस्त्र पहना कर उनका स्वागत किया गया तत्पश्चात वार्षिक परीक्षाफल का वितरण किया गया जिसमें कक्षा 5 में आयुषी उपाध्याय प्रथम स्थान , शुभी उपाध्याय द्वितीय स्थान, अमित कुमार तृतीय स्थान कक्षा 4 में वेद उपाध्याय प्रथम स्थान, शगुन उपाध्याय और सौम्या द्वितीय स्थान, कक्षा 3 में दिव्यम प्रजापति प्रथम स्थान, नैंसी द्वितीय स्थान, आयुषी शर्मा तृतीय स्थान, कक्षा 2 में अर्पित प्रथम स्थान, त्रृषी द्वितीय स्थान, अदिति मिश्रा तृतीय स्थान और कक्षा 1 में आयुष प्रजापति प्रथम स्थान, आर्या प्रजापति द्वितीय स्थान, शिवम तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन सभी बच्चों को मुख्य अतिथि भूतपूर्व न्यायाधीश विनोद कुमार मिश्र के द्वारा पुरस्कार देकर बच्चों को सम्मानित किया गया। बैठक में प्राथमिक विद्यालय मुकुंदीपुर के प्रधानाध्यापक आशीष कुमार मौर्य, दीपक कुमार सहायक अध्यापक , राजेश कुमार मिश्र शिक्षा मित्र, रंजीता मिश्रा शिक्षा मित्र , विद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष अखिलेश मिश्रा, प्रधान पिता प्रदीप कुमार और अभिभावक गण उपस्थित थे तथा बच्चे पुरस्कार पाकर उनके चेहरे हर्षोल्लास के साथ खिल उठे।

समाजसेवी उत्तर भारतीय चंद्रशेखर शुक्ल का निधन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हजारों गरीब कन्याओं का अपने खर्च से विवाह कराने वाले उत्तर भारतीय समाज रत्न से सम्मानित समाज के पुरोधा लोकाभिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं श्री रामलीला उत्सव समिति, पार्क साईट विक्रोली के प्रमुख मार्गदर्शक चंद्रशेखर आर शुक्ल का बुधवार की रात 10 बजे आकस्मिक निधन हो गया। लोग उन्हें बेबी भइया के नाम से जानते थे, जिसने भी उनके निधन की खबर सुनी, वह स्तब्ध रह गया। बहुत ही विनम्र, शालीन, उदार और हमेशा जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आने वाले बेबी भइया के निधन से समाज को गहरा आघात लगा है। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जनपद स्थित रेवारी गांव के मूल निवासी बेबी भइया के सुपुत्र राहुल शुक्ला जयसिंहपुर ब्लाक के वर्तमान ब्लाक प्रमुख हैं। वे अपने पीछे तीन बेटे प्रभाकर शुक्ल रिंकू, प्रशांत शुक्ल, राहुल शुक्ल और बहुएं नाती पोता भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। गुरुवार को पार्क साईट के वर्षानगर श्मशान भूमि में उनके छोटे पुत्र राहुल शुक्ल ने अंतिम मुखाग्नि दी और आगे का समस्त कार्यक्रम उनके पैतृक निवास सुलतानपुर में किया जाएगा। आज सुबह से ही घाटकोपर-पश्चिम स्थित उनके आवास पर अंतिम दर्शन करने वालों की भीड़ लगी रही। महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह, पूर्व मंत्री पूर्व सांसद रमेश दुबे, राहुल एजुकेशन के चेयरमैन लल्लन तिवारी, बोरीवली के विधायक संजय उपाध्याय, आचार्य पवन त्रिपाठी, राजोल संजय पाटिल, समाजसेवी श्रीकांत मिश्र, समाजसेवी विजय पंडित, उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष संतोष आरएन सिंह, उद्योगपति तथा समाजसेवी ज्ञानप्रकाश सिंह, पत्रकार ओमप्रकाश तिवारी, बृजमोहन पांडेय, राघवेंद्र द्विवेदी, आदित्य दुबे, अनिल तिवारी, श्रीश उपाध्याय, अरुण उपाध्याय, राजेश उपाध्याय, अनिल गलगली, श्याम शंकर पांडेय, राजकुमार सिंह, दयाशंकर पांडेय, अखिलेश तिवारी, ओ पी प्रजापति, गिरीश यादव, नित्यानंद शर्मा, अविनाश पांडेय और अशोक दुबे, अरुण एखंडे, रामगोविन्द यादव, सुनील मोरे, डॉ दिलीप यादव, डॉ सुबोध बावदाने, चंद्रकांत मालकर, अनिल निर्मले, भारतीय सद्विचार मंच के अध्यक्ष डॉ. राधेश्याम तिवारी, अनिल मिश्रा, अरुण मिश्रा, विनोद उपाध्याय, समरस फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ. किशोर सिंह, डॉ. ओमप्रकाश दुबे, वरिष्ठ समाजसेवी चित्रसेन सिंह, डॉ. उमेश चंद्र तिवारी गुरु जी, गौरीशंकर मंडल के अध्यक्ष रामसेवक पांडे, मीरा-भायंदर के समाजसेवी सुरेश सिंह, डॉ. रमाकांत तिवारी क्षितिज, विद्रोही महाराज, ओमप्रकाश पांडेय गुरु जी, शारदा प्रसाद शुक्ला, रामबिलास पाठक, बी बी सिंह, दीना सिंह, राजकुमार तिवारी, बाबूलनाथ तिवारी, संतोष सिंह, दिवाकर मिश्र, दलजीत पांडेय, सर्वदेव पांडेय, एडवोकेट डी आर मिश्र, आशीष तिवारी, चंद्रेश दुबे, संतोष पाठक, राजेश शुक्ल, हरिश्चंद्र पाठक, पवन पाठक, शिव दिनेश शर्मा, राकेश शुक्ल, रत्नेश शुक्ल, हरीश पांडेय, देवेंद्र सिंह, रितेश सिंह हितेश सिंह, संदीप शुक्ल, अवधराज गुप्ता, राजू श्रीवास्तव, शिवाजी शेवाले, राजेश शमेल, मनिकेश तिवारी, बृजेश शुक्ल, अरविंद शुक्ल, दिनेश सिंह, सुनील सिंह, आदेश मिश्र, चंद्रमणि सिंह, शुभम सिंह, ब्रह्मदेव दुबे, प्रदीप मिश्र,ओ पी मिश्र, हैपी पांडेय, दिनेश शर्मा, सुभाष माने, सचिन शुक्ल, अवधेश तिवारी, एड सुमित पाल, अभिषेक हीरा यादव सहित हर समाज के हजारों लोगों ने गहरा दुख प्रकट करते हुए उनकी आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की है।

जूता शोरूम में लगी भीषण आग

पीलीभीत (उत्तरशक्ति)। पीलीभीत में बृहस्पतिवार दोपहर को शहर के बीचों-बीच जूता शोरूम में आग लगने से चार घंटे तक दहशत फैली रही। आग का विकराल रूप देख आसपास की दुकानें भी बंद करा दी गईं। फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पीलीभीत शहर के बीचों-बीच जेपी मार्ग के किनारे स्थित जूता के शोरूम में बृहस्पतिवार को आग लग गई। देखते ही देखते गोदाम भी चपेट में आ गया। बीच बाजार ऊंची-ऊंची लपटें उठती देख अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने यहां से गुजर रहे वाहनों को दूसरे मार्ग पर डायवर्ट किया। फायर ब्रिगेड की जिले से तीन व बरेली से दो गाड़ियां बुलाई गईं। तकरीबन चार घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। प्रथमदृष्टया शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बात सामने आई है।

ओशो आचार्य रजनीश के छोटे भाई स्वामी शैलेन्द्र सरस्वती का मुंबई आगमन

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। आचार्य रजनीश (ओशो) के छोटे भाई स्वामी शैलेन्द्र सरस्वती आज मुंबई पहुंचे, जहां ओशो के अनुयायियों ने उनका भव्य स्वागत किया। ओशो के विचारों के प्रचार और समाज में उनके संदेश को फैलाने के उद्देश्य से स्वामी शैलेन्द्र सरस्वती देशभर में विभिन्न स्थानों का दौरा कर रहे हैं। इसी क्रम में मुंबई की यह विशेष यात्रा आयोजित की गई है। मुंबई में उनके प्रवास के दौरान सत्संग, प्रवचन और ध्यान (मेडिटेशन) के विशेष कार्यक्रम रखे गए हैं। शाम को पत्रकारों के साथ एक संवाद सत्र भी आयोजित किया गया है। आज जब वे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। ओशो के निधन के बाद उनके कई शिष्यों द्वारा अपने-अपने केंद्र खोले जाने से ओशो के विचारों को नुकसान हो रहा है? पत्रकारों के इस प्रश्न का उत्तर देते हुए स्वामी शैलेन्द्र सरस्वती ने कहा कि भले ही केंद्र अलग-अलग हों, लेकिन उनका उद्देश्य एक ही है–ओशो के विचारों का प्रचार-प्रसार। अलग-अलग केंद्रों के माध्यम से यह संदेश अधिक व्यापक रूप से समाज तक पहुंच रहा है, जो एक सकारात्मक बात है। अपने प्रवास के दौरान आज और कल वे उल्हासनगर में रहेंगे। इसके बाद रविवार को दहिसर और सोमवार को भायंदर में भी उनके विशेष सत्संग और ध्यान सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें सैकड़ों अनुयायी भाग लेंगे।

वसई गांव में 5 नई एसटी बस का उद्घाटन

-नरेन्द्र सोनी

वसई रोड(उत्तरशक्ति)। राज्य सरकार के परिवहन विभाग द्वारा वसई गांव एसटी डिपो में 5 नई एसटी बसों को मंजूरी दी गई थी। उसी नई एसटी बस का उद्घाटन आज वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित द्वारा वसई गांव एसटी बस डिपो में बहुत ही उत्साहपूर्ण और खुशनुमा माहौल में किया गया। वसई में यात्रियों और स्कूली छात्रों की यात्रा आरामदायक होगी। इस अवसर पर विधायक स्नेहा दुबे पंडित के साथ पालघर डिवीजन के डिवीजन कंट्रोलर भी मौजूद थे। कैलास पाटिल, अध्यक्ष, वर्कर्स यूनियन, पालघर, भरतदादा पेंढारी, संभागीय परिवहन अधिकारी, पालघर श्रीमती। रोहिणी ठाकरे, डिपो मैनेजर, वसई डिपो स्वप्निल अहेर भाजपा वसई शहर मंडल अध्यक्ष नंदकुमार महाजन जी, वसई रोड मंडल अध्यक्ष महेश सरवणकर, अपर्णा पाटिल, मैथ्यू कोलासो, वसई पश्चिम मंडल महासचिव आशीष जोशी, वसई पूर्व दक्षिण मंडल प्रवीण गावड़े, टेंभी कोल्हापुर ग्राम पंचायत के सरपंच। विजय पाटिल जी, वसई शहर मंडल के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता, वसई रोड मंडल के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता, वसई पश्चिम मंडल के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता, वसई पूर्व दक्षिण मंडल के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता, तथा वसई एसटी डिपो के चालक एवं परिवहन कर्मचारी तथा वसई के नागरिक उपस्थित थे।

कार के धक्के से सड़क पार करते अधेड़ की मौत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मछलीशहर कोतवाली के कोढ़ा गांव के निकट कार सवार ने सड़क पार कर रहे अधेड़ को टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।कोढ़ा गांव निवासी 50 वर्षीय जय प्रकाश बिंद पुत्र राम पदारथ सूरत में कपड़े बनाने वाले लूम में प्राइवेट नौकरी कर परिवार का भरण पोषण करते थे। वह सुबह सूरत से अपने गांव आए थे। सूरत से आने के बाद धूप कम होने के बाद जौनपुर रॉयबरेली हाइवे के दूसरी तरफ स्थित अपने खेत में गेहूं काटने गए थे। देर सांय प्यास लगने पर वह हाईवे पार कर एक निजी विधालय में पानी पीने गए थे। पानी पीकर वापस खेत में हाईवे पार कर आते समय कार की चपेट में आ गए। जब तक कोई कुछ समझ पाता तब कार सवार कार लेकर फरार हो गया। मौके पार पहुंचे परिजन उन्हें लेकर सीएचसी पहुंचे जहा चिकित्सक ने मौत की पुष्टि कर दी। अगल बगल के लोगो के अनुसार जय प्रकाश की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बताया मृतक के पिता की तहरीर पर कार सवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मृतक जय प्रकाश बिंद दो भाइयों में बड़े थे। मृतक का इकलौता पुत्र दीपक सूरत से घर आने लिए ट्रेन पकड़ चुका है। वही मृतक ने चार पुत्रियों में दो का विवाह कर दिया है। जबकि अभी दो का विवाह नहीं हुआ है। मृतक की पत्नी शीला देवी घर पर अचेत पड़ी हुईं है।

वक्फ सरकारी जमीन हड़पने का माध्यम: बाबुभाई भवानजी

मुंबई। वरिष्ठ हिंदुवादी भाजपा नेता और मुंबई के पूर्व उप मयेर बाबूभाई भवानजी ने कहा है कि वक्फ सरकारी जमीन हड़पने का माध्यम है और इस पर अंकुश लगाना बहुत जरूरी था। आज एक बयान में भवानजी ने कहा कि मोदी जी की सरकार ने जो वक्फ बिल लाया है उससे सरकारी जमीन मुक्त हो जाएगी और आम लोगों का बहुत भला होगा। उन्होंने कहा कि मोदीजी की सरकार गरीबों, पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों के हितों के लिए समर्पित है और उनके हितों के साथ कोई समझौता नहीं किया जाता है।

बता दें कि वक्फ संशोधन विधेयक लोकसभा से पास हो चुका है। आज राज्यसभा की बारी है। मोदी सरकार ने विधेयक को राज्यसभा पेश कर दिया है और रात में इस पर वोटिंग हो सकती है। इस बीच राज्यसभा में विधेयक पर चर्चा हो रही है। चर्चा के दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद राधा मोहन दास अग्रवाल को भी बोलने का मौका मिला और उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। कांग्रेस सांसद नासिर हुसैन ने बिल का विरोध करते हुए सरकार पर आरोप लगाए। इसके बाद राधा मोहन दास अग्रवाल ने पलटवार किया। राधा मोहन दास अग्रवाल ने कहा कि तू इधर-उधर की ना बात कर, यह बता कारवां कहां लुटा। उन्होंने कहा कि मैं बताता हूं कारवां कहां लुटा।

राधा मोहन अग्रवाल ने पुराने अधिनियम का जिक्र करते हुए कहा कि कोई भी ट्रिब्यूनल अगर फैसला दे तो उसके खिलाफ कोई अपील नहीं होगी। उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह हुआ कि कोई व्यक्ति अपार्टमेंट में जाकर के चार दोस्तों के साथ नमाज पढ़ ले तो वह पांचवें दिन वक्फ बाय यूजर का दावा कर सकता है और ऐसी घटनाएं हुई है। राधा मोहन दास अग्रवाल ने आगे कहा कि ऐसे ही अगर आपके बगल कोई जमीन खाली है और वहां पर कुछ मुस्लिम जाकर नमाज पढ़ लें, कुछ दिन वह नमाज पढ़ेंगे उसके बाद वह लिख करके दे देंगे कि हम लोग वक्फ बाय यूजर हैं और यह जमीन अब नमाज के काम के लिए आएगी। बीजेपी सांसद अग्रवाल ने कहा कि तमिलनाडु की एक कहानी केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सुनाई जो सच है। उन्होंने कहा कि रामचंद्रन नाम का एक व्यक्ति अपनी बेटी की शादी के लिए जमीन बेचना चाहता था और वह रजिस्ट्रार ऑफिस में गया। इसके बाद पता चला कि उसकी जमीन वक्फ को दान कर दी गई है। यानी उस जमीन का मालिकाना हक उसके पास नहीं है। राधा मोहन दास अग्रवाल ने आगे कहा कि 15 साल पुराना मंदिर भी वक्फ को दे दिया गया। यही इनका वक्फ होता है। राधा मोहन दास अग्रवाल ने कहा कि जब नासिर हुसैन कर्नाटक से राज्यसभा के सांसद चुने गए तब मैं कर्नाटक में था। कर्नाटक विधानसभा में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए गए थे और बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने विरोध किया तो उन्हें पकड़कर जेल भेज दिया गया। जैसे ही राधा मोहन दास अग्रवाल ने यह बात कही तुरंत कांग्रेस सांसद नासिर हुसैन खड़े हो गए।

प्रो. डॉ. दयानंद तिवारी का अवतरण दिवस मनाया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सायन स्थित सरस्वती क्लासेस के संचालक प्रो. डॉ. दयानंद तिवारी का अवतरण दिवस 3 अप्रैल 2025 गुरुवार को तिवारीस सरस्वती क्लासेस में बड़े धूमधाम से मनाया गया। डॉ दयानंद तिवारी सरल व्यक्तित्व विचार धारा वाले कुशल नेतृत्व वाले एक सरल सौम्य मृदु भाषी, विनम्र, ऊर्जावान व्यक्ति तथा उत्तर भारतीयों में विशिष्ठ स्थान रखने वाले व्यक्ति हैं। उनके अवतरण दिवस पर क्लासेस के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा जन्मदिन पर शुभकामना दिया गया। दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, मां विंध्यवासिनी देवी मंदिर ट्रस्ट भरत भाई शुक्ला, पत्रकार संजय मिश्रा बब्लू ने शाल व तुलसी पौधा दे कर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी और उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि मृग के कस्तूरी की सुगंध के भांति, डॉ दयानंद तिवारी आप की किर्ति की सुगंध चारों दिशाओं में फैले। आप सदा स्वस्थ और समाज के प्रति अपना मार्गदर्शन देते रहें।

सच्चे मन से श्रद्धा पर खुद मिल जाते हैं भगवान: प. दुर्ग विजय मिश्र

शाहगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के शाहपंजा स्थित संगत जी मंदिर में चल रहे भागवत कथा के तीसरे दिन ध्रुव व विदुर चरित्र का प्रसंग सुन भावविभोर हुए श्रोता नवरात्र को लेकर हंसडीहा स्थित पगवारा दुर्गा मंदिर परिषद में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन को कथावाचक पंडित श्री दुर्गाविजय मिश्र जी ने ध्रुव व विदुर चरित्र की कथा का प्रसंग सुनाया।कथावाचक ने कहा कि अगर ध्रुव पांच साल की उम्र में भगवान को पा सकता है, तो फिर हम कैसे पिछड़ सकते हैं? अगर सच्चे मन से भगवान की भक्ति की जाए, तो भगवान खुद अपने भक्तों से मिलने पहुंच जाते है। कथा के दौरान झांकियां भी सजाई गई। वहीं विदुर प्रसंग में भगवान श्रीकृष्ण के प्रेम की व्याकुलता के बारे में उन्होंने विस्तार से बताते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण विदुरजी की कुटिया में भोजन करने गए और वहां केले के छिलकों का भोग स्वीकारा। इससे पहले वे दुर्योधन के महल में छप्पन भोग का त्याग कर आए थे। भगवान तो प्रेम के भूखे होते हैं और विदुर-विदुरानी ने भगवान को प्रेम से भोजन करवाया तो उन्होंने केले के छिलके भी प्रेम से खा लिए। कथा के दौरान कथावाचिका ने श्रद्धालुओं के समक्ष सृष्टि वर्णन के प्रसंग को भी विस्तार से सुनाया।

डॉ. हेमंत सावरा ने रेल मंत्री से पालघर स्टेशन पर ट्रेन के ठहराव का किया अनुरोध

पालघर। पालघर खासदर डॉक्टर हेमंत सांवरा ने बताया कि पालघर जिला मुख्यालय है और जिला बड़े पैमाने पर आर्थिक और औद्योगिक विकास से गुजर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बंदरगाह और हवाई अड्डा परियोजना के विस्तार की घोषणा की है और तारापुर एमआईडीसी देश में एक महत्वपूर्ण औद्योगिक केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है।

महत्वपूर्ण रेल स्टॉप की मांग जिला मुख्यालय होने के बावजूद पिछले 7-8 वर्षों से पालघर स्टेशन पर कई महत्वपूर्ण ट्रेन स्टॉपेज को मंजूरी नहीं दी गई है। यात्रियों की बढ़ती संख्या और औद्योगिक विस्तार को देखते हुए रेलगाड़ियों का ठहराव आवश्यक है। पश्चिम रेलवे के आधिकारिक पत्रों (संदर्भ संख्या टी-425/2/18 (बी-50) 27.02.2024 और जी/160/विविध/2024/69, 08.08.2024) के अनुसार, रेलवे बोर्ड ने इन ठहरावों की संभावना को स्वीकार कर लिया है। इनमें निम्नलिखित रेलगाड़ियां शामिल हैं। 22955/56 कच्छ एक्सप्रेस, 12489/90 दादर बीकानेर एक्सप्रेस, 12935/36 बांद्रा-सूरत इंटरसिटी एक्सप्रेस, 20941/42 बांद्रा-गाजीपुर एक्सप्रेस को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से अनुरोध किया जा रहा है कि वे उपरोक्त ट्रेनों के पालघर स्टेशन पर ठहराव को तत्काल मंजूरी दें। इस निर्णय से यात्रियों को राहत मिलेगी और जिले के विकास को बढ़ावा मिलेगा। साथ में उन्होंने स्थानीय रेल सेवाओं के विस्तार हेतु महत्वपूर्ण मांगें की जैसे कि दहानू-दादर नई लोकल ट्रेन शुरू की जाए वर्तमान लोकल ट्रेनें भारी भीड़ के कारण यात्रियों के लिए असुविधाजनक होती जा रही है।

शाम 6:15 से 6:30 के बीच दहानू से दादर तक एक नई लोकल ट्रेन शुरू की जानी चाहिए।

अंधेरी-विरार नियमित लोकल ट्रेन शाम को शुरू की जानी चाहिए वसई-विरार क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है। इसलिए यात्रियों के लिए एक नई लोकल की आवश्यकता है। अंधेरी से विरार जाने वाली नियमित लोकल ट्रेन शाम 5:25 बजे शुरू होनी चाहिए। दहानू-चर्चगेट नई लोकल सुबह 4:00 बजे शुरू की जानी चाहिए। पहले दूध विक्रेता, सब्जी और फूल विक्रेता सफाला स्टेशन से दादर बाजार तक लोकशक्ति एक्सप्रेस से यात्रा करते थे। वैकल्पिक सुविधाओं की कमी के कारण उन्हें फिलहाल भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है, इसलिए दहानू-चर्चगेट लोकल को सुबह 4:00 बजे शुरू किया जाना चाहिए। और साथ में विरार-दहानू स्थानीय परियोजना का विस्तार किया जाए, विरार-दहानू लोकल को घोलवड, उमरगांव या भिलाड तक बढ़ाया जाना चाहिए। दहानू में समाप्त होने वाली मेमू ट्रेनों को भिलाड तक बढ़ाया जाना चाहिए। सभी फास्ट ट्रेनों को दहानू के बजाय वापी तक बढ़ाया जाना चाहिए और नया स्थानीय मार्ग-दिवा-भिवंडी-अनगांव-अम्बाडी-कुडुस-वाड़ा-विक्रमगढ़, भिवंडी और वाडा प्रमुख औद्योगिक केंद्र बन रहे हैं।

हम होली भी खेलेंगे ईद भी मनाएंगे मोहब्बत के इस देश को प्यार से सजाएंगे: अभिषेक सिंह

-शब्बीर हैदर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के होली चाइल्ड अकैडमी स्कूल प्रांगण में फ्रेंड्स ग्रुप ट्रस्ट द्वारा आयोजित होली व ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्वलित करके किया। नवरात्रि के पावन अवसर पर भजन संध्या का भी आयोजन हुआ। जनपद व प्रदेश के कलाकारों ने भक्ति व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां पेश की एक दूसरे को अबीर व इत्र लगाकर गले मिलकर बधाई देने का काम हुआ। इस अवसर पर पूर्व आई.ए.एस अभिषेक सिंह ने कहा कि पूरे देश मे जौनपुर एक ऐसा शहर है जहां से एकता प्रेम और सौहार्द भाईचारे का संदेश पूरे देश दुनिया में जाता है। संस्था अध्यक्ष मिनाज शेख ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन संस्था सचिव सलमान शेख ने किया कार्यक्रम संयोजक डॉ.विवेक श्रीवास्तव साल्वेशन हॉस्पिटल, हर्षवर्धन रघुवंशी HVR एग्रो फूड मसाले,डॉ. अब्दुल कादिर खान मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज, नन्हेंलाल वर्मा कीर्ति कुंज ग्रुप, ने सभी को अंगवस्त्र एवं माला के साथ स्वागत किया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अभिषेक सिंह पूर्व आई.ए.एस, विशिष्ट अतिथि डॉ सुभाष सिंह जिला संघ संचालक जौनपुर, अपर जिलाधिकारी अजय कुमार, लोक सेवा आयोग सदस्य आर एन त्रिपाठी, पूर्व मंत्री कुंवर वीरेंद्र सिंह,प्रमुख सुनील यादव ममन पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका दिनेश टंडन, रहे। इस अवसर इंद्रभान सिंह इंदू,डॉ. अशोक रघुवंशी, नीरज सिंह, अधिवक्ता दुष्यंत सिंह, वीरेंद्र सिंह,डॉ. अरुण कुमार मिश्रा, डॉ .प्रियंका श्रीवास्तव, डॉ .क्षितिज शर्मा अमित गुप्ता डॉ .जंग बहादुर सिंह, नीलम सिंह, अमित गुप्ता एआरटीओ सत्येंद्र सिंह सरदार जसविंदर सिंह, अमित श्रीवास्तव, विकास शर्मा, ब्रह्मेश शुक्ला, नितिन सिंह, पप्पू माली, मरकजी सीरत कमेटी के अध्यक्ष सद्दाम हुसैन, निखिलेश सिंह, वासु अग्रहरि, दिनेश फौजी, प्रदीप सिंह रिंकू, शशांक सिंह रानू ,विनय सिंह, रोहित सिंह ,राजू दादा,साधना सिंह, नेता, डॉ .अंजना सिंह, राखी सिंह, पूनम जायसवाल, राहुल त्रिपाठी, धर्मेंद्र मिश्रा, राहिल शेख, मोतीलाल यादव, आशीष माली, ऋषिकेश द्विवेदी, अंशु मौर्य विवेक मौर्य, श्रवण जायसवाल, जावेद हाशमी, गणपति पूजा समिति के अध्यक्ष संजय जडवानी, अरशद कुरैशी, सैयद मोहम्मद मुस्तफा, सरदार मनमोहन सिंह ,सरदार तरनजीत सिंह आदि उपस्थित रहे।

पीएम के सुरक्षा में चूक क्षम्य नहीं, समय से पूर्ण हो निर्माण परियोजनाएं: योगी

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को वाराणसी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सर्किट हाउस में प्रधानमंत्री के आगामी दौरे के दौरान आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों की तैयारी का अवलोकन व हाल जाना। साथ ही अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पीएम की सुरक्षा में किसी भी तरह की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। खासकर निमार्णाधीन सभी परियोंजनाएं हरहाल में समय पूर्ण किया जाएं, जिससे उद्घाटन एवं शिलान्यास के अवसर पर कोई व्यवधान उत्पंन ना हो। उन्होंने विशेष तौर पर उद्घाटित होने वाली परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण कराने का निर्देश देते हुए कहा कि सभा स्थल पर आने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। मौके पर पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था के साथ ही साथ छाया एवं शौचालय आदि की व्यवस्था भी सुनिश्चित होनी चाहिए। कमिश्नर कौशल राज शर्मा द्वारा मुख्यमंत्री के समक्ष प्रधानमन्त्री के प्रस्तावित आगमन के दौरान की गयी तैयारियों को बिन्दुवार प्रेजेंटेशन के माध्यम से बताया गया। जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री के हाथों लोकार्पित तथा शिलान्यास होने वाले प्रोजेक्ट्स की भी जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान हरिश्चंद्र तथा मणिकर्णिका घाट के कार्यों में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने तथा बरसात से पहले कार्यों को पूरा कराने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने शवदाह प्रक्रिया में गोबर कंडे के प्रयोग को बढ़ाने हेतु सुझाव दिए। मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि परियोजनाओ में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने हेतु डीपीआर के बाद अनावश्यक नवीन डिजाइन तथा मॉडल बदलने की प्रक्रिया नहीं होनी चाहिये। स्वच्छता कार्यक्रम को पूरे व्यापक स्तर पर चलाते हुए इसमें जनप्रतिनिधियों, संगठन, बूथ कार्यकताओं समेत आमजनों को जोड़ते हुए जनअभियान बनाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने ग्राम पंचायतो में शत प्रतिशत घरों को पेयजल कनेक्शन शीघ्रता से करने हेतु भी निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने नमो घाट पर

कतिपय स्थानों पर जमीन के धसने की घटना का संज्ञान लेते हुए इसके गुणवत्ता की जांच कराते हुए शीघ्र मरम्मत कराए जाने का निर्देश दिया। वरुणा रिवर फ्रंट के सुंदरीकरण कार्यों के संबंध में शीघ्र ठोस कार्ययोजना बनाकर तद्नुसार कार्य किए जाने का निर्देश दिया। नेशनल फोरेंसिक विश्वविद्यालय के विस्तार कैंपस के लिए उपयुक्त स्थल चयन करने का निर्देश दिया। उन्होंने सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग पर पूर्णतया प्रतिबंध लगाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने इसे अभियान के रूप में चलाए जाने का निर्देश दिया। दालमंडी में सड़क चौड़ीकरण कार्य में अपेक्षित आवश्यक कार्यवाही तेजी से किए जाने हेतु निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए चैन स्नेचिंग एवं लूट की घटना, महिला अपराधों पर नियंत्रण हेतु पर्याप्त फूट पेट्रोलिंग कराए जाने के निर्देश दिये। उन्होंने गौ-तस्करी को पूरी तरह से रोके जाने पर जोर देते हुए प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिया तथा कहा कि इसे सख्ती से रोकने के लिए मास्टरमाइंड तक पहुंचे। उन्होंने लव जिहाद तथा धर्मांतरण की घटनाओं पर तात्कालिक तौर पर सख्ती से कार्यवाही करते हुए रोक लगाए जाने का निर्देश दिया।

ट्रंप के 26 फीसदी टैरिफ से कारपेट इंडस्ट्री में भूचाल

-सुरेश गांधी

वाराणसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के कई देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने का ऐलान किया है. अब अमेरिकी बाजारों में जाने वाले भारतीय सामान पर 26 फीसदी का रेसिप्रोकल टैरिफ या इंपोर्ट ड्यूटी लगाने की घोषणा की गई है. ट्रंप के इस फैसले से कारपेट इंडस्ट्री में निर्यातकों की नींद हराम हो गई है। हालांकि निर्यातकों का मानना है कि ये टैरिफ भारतीय कालीन निर्यातकों के लिए चुनौतियां पैदा करेंगे, लेकिन भारत की स्थिति अपने प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में फिर भी बेहतर बनी हुई है. भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौता घरेलू उद्योग को इन टैरिफ के असर से उबरने में मदद करेगा. चीन पर 54 प्रतिशत, वियतनाम पर 46 प्रतिशत, बांग्लादेश पर 37 प्रतिशत और थाईलैंड पर 36 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है.

सीईपीसी के प्रशासनिक सदस्य संजय गुप्ता का कहना है कि भारतीय वस्त्रों, विशेष रूप से हस्तनिर्मित कालीनों पर 26 फीसदी आयात शुल्क लगाए जाने से भारतीय कालीन उद्योग पर खास असर पड़ेगा। उनके मुताबिक लगभग 50 फीसदी भारतीय हस्तनिर्मित कालीनों का निर्यात अमेरिका में किया जाता है। ऐसे में इस अतिरिक्त शुल्क का सीधा असर भारतीय कालीनों की अमेरिकी बाजार में बिक्री पर पड़ेगा, जिससे इस उद्योग से जुड़े लाखों कारीगरों, बुनकरों और श्रमिकों की आजीविका संकट में आ सकती है। भारतीय हस्तनिर्मित कालीन उद्योग वैश्विक स्तर पर अपनी गुणवत्ता, डिजाइन और शिल्प कौशल के लिए प्रसिद्ध है। यह उद्योग न केवल देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है, बल्कि इससे जुड़े लगभग 20 लाख कारीगरों और श्रमिकों की जीविका का भी मुख्य साधन है। अमेरिका द्वारा लगाए गए 26 फीसदी आयात शुल्क के कारण भारतीय कालीनों की कीमतें बढ़ जाएंगी, जिससे इनकी प्रतिस्पर्धात्मकता कम हो जाएगी और अमेरिकी खरीदारों के लिए ये कालीन महंगे हो जाएंगे। इसका सीधा प्रभाव निर्यात में गिरावट के रूप में देखने को मिलेगा, जिससे उद्योग पर गंभीर संकट आ सकता है। संजय गुप्ता ने बताया कि यह शुल्क न केवल निर्यातकों और निमार्ताओं के लिए नुकसानदायक है, बल्कि इससे जुड़े कारीगरों और बुनकरों के लिए भी एक गंभीर समस्या उत्पन्न करेगा। पहले से ही कई चुनौतियों का सामना कर रहा यह उद्योग अब एक नकदी संकट से जूझ सकता है, जिससे श्रमिकों को समय पर भुगतान करना कठिन हो जाएगा। इस संकट का सबसे अधिक प्रभाव छोटे और मध्यम उद्यमों पर पड़ेगा, जो पहले से ही कई प्रकार की वित्तीय कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। अगर इस समस्या का समाधान शीघ्र नहीं निकाला गया, तो इस उद्योग में बड़े पैमाने पर नौकरियों पर खतरा मंडराने लगेगा, जिससे लाखों परिवारों की आजीविका प्रभावित होगी।

ऐसे सरकार से मांग है कि कालीन उद्योग को राहत देने के लिए तत्काल कदम उठाए। विशेष रूप से, ब्याज अनुदान योजना को पुनः बहाल किया जाए, ताकि निर्यातकों और निमार्ताओं को नकदी संकट से बचाया जा सके। इसके अलावा ब्याज अनुदान पुनः लागू करने से छोटे और मध्यम उद्यमों को किफायती दरों पर ऋण मिल सकेगा, जिससे वे अपनी उत्पादन क्षमता बनाए रख सकें और श्रमिकों को समय पर भुगतान कर सकें। इसके अलावा, सरकार को अमेरिका के साथ राजनयिक स्तर पर बातचीत कर इस शुल्क में राहत दिलाने के प्रयास भी करने चाहिए। बता दें, यूपी, दिल्ली, पानीपत, जम्मू-कश्मीर, जयपुर आदि शहरों से लगभग 11000 करोड़ का कालीन निर्यात होता है और इसकी बुनाई में लगभग 10 लाख से अधिक गरीब बुनकर मजदूर लगे हैं। कारपेट इक्सपोर्ट प्रमोशन कौंसिल के चेयरमैन कुलदीप राज वट्टल का कहना है कि इस मामले में उन्होंने वाणिज्य मंत्रालय को पत्र भेजकर हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि अमेरिका में इक्सपोर्ट होने वाले कालीनों पर 2.5 से 8 फीसदी ड्यूटी है, जो नाममात्र का है। ऐसे में अगर ड्यूटी खत्म कर दिया जाएं इक्सपोर्ट में 20 फीसदी का इजाफा हो सकता है।

अरूणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर
ARUNODAYA Surgical & Trauma Center

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी
सेवा 24 घण्टे उपलब्ध
डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)
डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)
डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन
डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ
24/7 Emergency Services
बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
Medi Assist
STAR
आयुष्मान कार्ड द्वारा नि:शुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर

जीवन रक्षा हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर

डा0 नवीन कुमार सिंह
M.B.B.S., M.S. (Ortho)
हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ
पूर्व सिनियर रेजि. एल.बी.एस. हॉस्पिटल, नई दिल्ली
ए.एस.बी. हॉस्पिटल, नई दिल्ली
संजय गाँधी हॉस्पिटल, नई दिल्ली
पूर्व असि0 प्रोफेसर एच.आई.एम.एस. लखनऊ

डा0 शिल्पी सिंह
M.B.B.S., M.S. (Obs & Gyn)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
पूर्व सिनियर रेजि. एल.बी.एस. हॉस्पिटल, नई दिल्ली
ए.एस.बी. हॉस्पिटल, नई दिल्ली
संजय गाँधी हॉस्पिटल, नई दिल्ली
पूर्व असि0 प्रोफेसर एच.आई.एम.एस. लखनऊ
सुविधाएं- अल्ट्रासाउण्ड, ई.सी.जी., एक्स-रे, पैथोलॉजी,सी0टी0जी0 मशीन, कालपोस्कोपी, फेक्चर, गठिया. कमर. दर्द. ऑथराईटिस. फिजियोथिरैपी. कल्हा प्रत्यारोपण
सिजेरियन डिलीवरी, बच्चेदानी का ऑपरेशन, ट्यूमर का ऑपरेशन, नसबन्दी इत्यादि।
आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की सुविधा उपलब्ध
हड्डी रोग विभाग
स्त्री एवं प्रसूति विभाग
24/7 Emergency Services
प्रत्येक गुरुवार नि:शुल्क ओ0पी0डी0
संपर्क करें- 6390303050
प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का इलाज पूर्णतया नि:शुल्क। इलाज के दौरान दवा, जाँच जैसे कि एक्स-रे इत्यादि पूर्णतया नि:शुल्क
पुलिस चौकी के सामने, सिपाह, आजमगढ़ रोड, जौनपुर